

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 24 अक्टूबर 2026 वर्ष-9,अंक-263 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : [www.krantisamay.com](http://www.krantisamay.com) & [epaper.krantisamay.com](http://epaper.krantisamay.com)

[www.facebook.com/krantisamay1](http://www.facebook.com/krantisamay1)

[www.twitter.com/krantisamay1](http://www.twitter.com/krantisamay1)

संक्षिप्त

समाचार

## यूएनएससी में पुरानी व्यवस्था से अब नहीं चलेगा काम

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तत्काल सुधार की मांग की है। भारत ने चेतावनी दी है कि 80 साल पुराना इसका ढांचा दुनिया के कुछ सबसे गंभीर संघर्षों को सुलझाने में संघर्ष कर रहा है। नई दिल्ली का कहना है कि सुरक्षा परिषद का स्वरूप आज की वैश्विक वास्तविकताओं के हिसाब से होना चाहिए। भारत का तर्क है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बना इसका



ढांचा अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता है। समाचार एजेंसी के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत हरीश पर्वथनेनी ने गुरुवार को कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध से मिली सत्ता, सुरक्षा परिषद में उचित प्रतिनिधित्व की कमी की भरपाई नहीं कर सकती। आपको बता दें कि भारत पिछले कई वर्षों से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग करता रहा है लेकिन वीटो पावर वाले देश ऐसा होने देना नहीं चाहते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा में समान प्रतिनिधित्व और सुरक्षा परिषद के विस्तार पर बोलते हुए भारतीय दूत पर्वथनेनी ने कहा इसके नतीजे पहले ही सामने आ रहे हैं। 180 साल बीत जाने के बाद भी यह संगठन संघर्ष कर रहा है।

## पटना से पूर्णिया का सफर अब सिर्फ 3 घंटे में!

पटना (एजेंसी)। बिहार के बुनियादी ढांचे को नई पहचान देने के लिए केंद्र सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाया है। राज्य को अपना पहला नेशनल एक्सप्रेस-वे मिलने जा रहा है, जिसका शिलान्यास 20 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। कुल 31,987 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाला ये 245 किलोमीटर लंबा 6-लैन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे राज्य के परिवहन और व्यापार की तत्बीर बदल देगा। वर्तमान में पटना से पूर्णिया जाने में जहां 8 से 9 घंटे का लंबा समय



लगता है, वहीं इस रूट के बनने के बाद गाड़ियां 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेंगी और यह दूरी केवल 3 घंटे में पूरी हो जाएगी। केंद्र सरकार की ओर से इस साल की शुरुआत में नेशनल एक्सप्रेस-वे घोषित किए गए एनए-9 परियोजना का जमीनी निर्माण 12,052 करोड़ रुपये में होगा। ये मार्ग वैशाली के मीरनगर से शुरू होकर समस्तीपुर, दरभंगा, सहरसा और मधेपुरा होते हुए पूर्णिया के चंद भट्टी तक जाएगा। ये सीधे पटना रिंग रोड से जुड़ेगा और समस्तीपुर, सहरसा और मधेपुरा के जिला मुख्यालयों को मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए विशेष संपर्क मार्ग बनाए जाएंगे।

# अरुणाचल में आमने-सामने आए भारत-चीन के सैनिक

- आईटीबीपी डीजी ने कहा-चीन से झड़पें अभी जारी
- शत्रुजीत कपूर बोले-सैन्य ताकत में वह काफी आगे
- डीजी ने कहा-अब पुराने तरीकों से मुकाबला मुश्किल



**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आईटीबीपी के डीजी शत्रुजीत कपूर ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में अरुणाचल प्रदेश में चीन और भारत के सैनिक आमने-सामने आ गए थे। कई जगह टकराव की स्थिति भी बनी। यह अभी भी जारी है। शत्रुजीत गुरुवार को राजस्थान के अलवर के सेंट्रल ट्रेनिंग कॉलेज में हिमवीर सम्मान समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि जुलाई के अंत से अरुणाचल प्रदेश में माजा इलाके में तनाव बना हुआ है।

# बांग्लादेश की जेलों में फंसे 250 भारतीय कैदी

- कई की सजा पूरी फिर भी कैद से नहीं मिली राहत
- नागरिकता साबित नहीं होने से वापसी अभी अटकी



**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बांग्लादेश की जेलों में 238 भारतीय कैदी बंद हैं। इनमें 168 ऐसे हैं, जिनकी सजा पूरी हो चुकी है, लेकिन वे अब तक भारत नहीं लौट पाए हैं। इनमें से कई कैदियों की भारतीय नागरिकता साबित नहीं हुई है। बांग्लादेश सरकार ने करीब 120 कैदियों की सूची भारत को भेजी और कहा कि ये लोग भारतीय हैं। लेकिन भारतीय हाई कमीशन के मुताबिक, सूची में ज्यादातर कैदियों की जानकारी अधूरी है। बांग्लादेश के अखबार द डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक, वहां 15 देशों के कम से कम 407 विदेशी कैदी बंद हैं। इनमें सबसे ज्यादा भारतीय हैं। हालांकि, ढाका में भारतीय हाई कमीशन के एक अधिकारी ने अखबार को बताया कि अब तक सिर्फ 25 ऐसे भारतीय कैदियों की पहचान हो पाई है, जो सजा पूरी होने के बाद भी जेल में बंद हैं। जिन कैदियों की जानकारी अधूरी है भारतीय हाइ कमीशन ने उनसे मिलने की अनुमति मांगी है। अधिकारी के मुताबिक, अब बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के जवाब का इंतजार है।

# पुंछ में सेना ने 7 संदिग्ध आईईडी किए बरामद

- लाइट मशीन गन की मैगजीन भी मिली, जांच जारी

एक दिन पहले 2 आतंकी मददगार गिरफ्तार हुए थे



**पुंछ (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर के पुंछ में सेना ने तलाशी अभियान के दौरान 7 संदिग्ध आईईडी और 7.62 मिमी लाइट मशीन गन की मैगजीन बरामद की। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, खुफिया जानकारी मिलने के बाद 156 टेरिस्टोयल आर्मी और 37 राष्ट्रीय राइफल्स ने कासबलारी गांव के पास तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान भूरे टेप से लिपटे 6 कंटेनर, नीले टेप से लिपटा 1 कंटेनर और एक संदिग्ध मैगजीन कंटेनर मिला। इसके अलावा एक काला बैग, कॉम्बैट पाउच, पावर अडैप्टर, बिजली का स्रोत, एल्यूमिनियम कंटेनर और टिफिन भी मिला। वहीं, बारामूला में सुरक्षाबलों ने 22 अक्टूबर को 2 संदिग्ध आतंकी मददगारों को गिरफ्तार किया था।

- खुफिया सूचना के आधार पर सेना ने कार्रवाई की- बारामूला में दोनों संदिग्ध ओवरग्राउंड वर्कर के तौर पर काम कर रहे थे। उन पर आतंकियों तक हथियार और विस्फोटक पहुंचाने में मदद करने का शक है। दोनों सीओपर के चिकीपोरा के रहने वाले हैं। खुफिया सूचना के आधार पर सेना की 52 राष्ट्रीय राइफल्स और बारामूला पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर दोनो को डेलिना घाट के पास डाइपरा नर्सरी इलाके से गिरफ्तार किया। मामले की जांच जारी है।

## पीएम मोदी ने स्वामी चिन्मयानंद के होलोग्राम से की बात

- चिन्मय मिशन के 75 साल पूरे,दुनियाभर में 350 से ज्यादा सेंटर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पीएम मोदी शुक्रवार को दिल्ली के भारत मंडपम में चिन्मय अमृत महोत्सव के कार्यक्रम में पहुंचे। यहां उन्होंने स्वामी चिन्मयानंद के होलोग्राम से बात की। स्वामीजी का निधन 3 अगस्त 1993 में हुआ था। स्वामीजी के होलोग्राम ने कहा कि आपसे मेरी मुलाकात पहली बार फरवरी 1993 में हुई थी। आप मुझे शिकागो में विश्व धर्म संसद के शताब्दी कार्यक्रम में आमंत्रित करने आए थे।



- नई शिक्षा नीति में संस्कृति के साथ टेक्नोलॉजी सिखा रहे- 2015 में मुझे स्वामी जी की स्मृति में एक सिक्का जारी करने का मौका मिला था। मैंने कहा था कि स्वामी जी का जीवन एक प्रतीक है। उनके गुरु ने उन्हें आशीर्वाद दिया था- गो, सोर लाइफ अ लॉयन यानी जाओ, शेर की तरह दहाड़ो। अब चिन्मय मिशन का अमृत महोत्सव भी भारत के अमृत काल से जुड़ रहा है। ये भारत के संकल्प की असली ताकत है। हमारे वेदों में लिखा है- राष्ट्र का हित चाहने वाले हम लोग राष्ट्र को महान बनाए। स्वामी जी ने गीता ज्ञान के अभियान की शुरुआत की। आज इसी का परिणाम है कि लाखों युवा भारत के सांस्कृतिक ब्रांड एंबेसडर का काम कर रहे हैं।

## अमिताभ-दिलजीत को धमकी, मुंबई मेयर को आया ईमेल

**मुंबई (एजेंसी)।** मुंबई की मेयर को शुक्रवार को एक धमकी भरा ईमेल मिला है। ईमेल में मेयर के कार्यालय को निशाना बनाने की धमकी दी गई है। इसके अलावा, बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन और पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ के मुंबई में होने वाले इंडिया टूर कार्यक्रम और को भी निशाना बनाने की धमकी दी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मुंबई मेयर रितु तावड़े को भेजे गए धमकी भरे ईमेल में अमिताभ बच्चन के जलसा बंगले पर बम हमले की धमकी दी गई है। भेजने वाले का दावा है कि यह हमला 1984 के ऑपरेशन ब्लू स्टार का बदला होगा। धमकी में कहा गया है कि 31 अक्टूबर से 27 नवंबर के बीच कभी भी बंगले को निशाना बनाया जा सकता है। इसी मेल में गायक दिलजीत दोसांझ को भी धमकी दी गई है। मेल भेजने वाले ने खालिस्तान-समर्थक नारों का इस्तेमाल किया और 1984 के सिख-विरोधी दंगों का जिक्र किया।

- कांग्रेस ने चुप रहने का आरोप लगाया- कांग्रेस सांसद जयराम मेश्र ने सरकार पर इन टकरावों पर चुप रहने का आरोप लगाया। उन्होंने एक्स पर लिखा, ‘19 जून 2020 को प्रधानमंत्री की चीन को दी गई बदनाम वलीन चिट की कीमत भारत चुका रहा है।’ उन्होंने आगे कहा, ‘जब खुद को विश्वगुरु कहने वाले प्रधानमंत्री की चीन को लेकर सीधी-समानझी रियायतें जारी हैं, कांग्रेस सांसद जेबी माथेर ने भी केंद्र सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आईटीबीपी के महानिदेशक के मुताबिक, ये घटनाएं जुलाई से हो रही हैं, लेकिन देश को इसकी जानकारी अक्टूबर में मिली। पीएम और गृह मंत्री ने इस पर कोई बयान नहीं दिया है।

## देश के सबसे बड़े न्यूक्लियर प्लांट से हटाए सॉफ्टवेयर

- अब नई रूसी हार्डवेयर

तकनीक का किया जाएगा

इस्तेमाल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** न्यूक्लियर प्लांट्स में सॉफ्टवेयर क्रैश और साइबर हमलों के खतरों से बचने के लिए भारत में नई तकनीक का इस्तेमाल शुरू किया जा रहा है। रूस में बनी यह हार्डवेयर-आधारित तकनीक फिलहाल तमिलनाडु में स्थित देश के सबसे बड़े न्यूक्लियर प्लांट में लगाई जा रही है। रूसी परमाणु ऊर्जा कंपनी रोसाटॉम ने हाल ही में कुडनकुलम परमाणु बिजली संयंत्र के लिए नई तकनीक पर आधारित सुरक्षा उपकरण के करीब 300 सेट भेजे हैं। यह आपात स्थिति में बिना माइक्रोप्रोसेसर और एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर के काम करती है। इनका मकसद सॉफ्टवेयर पर निर्भरता घटाना है, ताकि साइबर हमले या कोई गड़बड़ी होने पर भी सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित न हो। सभी जरूरी जांच पूरी होने के बाद इन्हें यूनिट 3 और 4 की सुरक्षा व्यवस्था में शामिल किया जाएगा।

### मोदी ने कहा- देश ऋषियों-राष्ट्रभक्तों की राह पर

मोदी ने कहा- जब भारत अपनी आजादी के 100 साल पूरे करेंगा, जब चिन्मय मिशन भी 100 साल पूरे करेंगा। यानी विकसित भारत और चिन्मय मिशन का रास्ता एक है। एक समय भारत से बहुत सी मूर्तियां चोरी कर विदेश ले जाई गईं। हम पिछले 12 साल में ऐसी 600 मूर्तियां वापस लाए हैं। देश अब उस राह पर आगे बढ़ रहा है, जिसका सपना हमारे ऋषियों और राष्ट्रभक्तों ने देखा था। अब चिन्मय मिशन का अमृत महोत्सव भी भारत के अमृत काल से जुड़ रहा है। हमारे वेदों में लिखा है- राष्ट्र का हित चाहने वाले हम लोग राष्ट्र को महान बनाएं। बीते दशकों में समय बदला है। देश के सामने नई चुनौतियां पैदा हुई हैं। आज उसके समाधान का काम हम सबके सामने है।

यूपी के हर जिले में होगा रामायण पाठ, अबकी बड़ी तैयारी

## बड़े स्तर पर वाल्मीकि जयंती मनाएगी योगी सरकार



**लखनऊ (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार इस बार वाल्मीकि जयंती कहीं अधिक व्यापक स्तर पर मनाने की तैयारी कर रही है। वाल्मीकि जयंती 26 अक्टूबर को है। योगी सरकार महर्षि वाल्मीकि की जयंती आस्था और भारतीय सांस्कृतिक विरासत के व्यापक उत्सव के रूप में मनाने वाली है। इस मौके पर

सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राज्य के सभी 75 जिलों में स्थित सैकड़ों महर्षि वाल्मीकि मंदिरों और रामायण से जुड़े प्रमुख स्थलों पर कार्यक्रम होंगे। इन स्थलों पर दीपदान, रामायण पाठ, भजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वाल्मीकि जयंती पर होने वाले इन आयोजनों के जरिए आदि कि महर्षि वाल्मीकि को याद करेंगे।

### सभी मंदिरों में दीपदान सहित कई कार्यक्रम होंगे

उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में वाल्मीकि जयंती पर सभी मंदिरों और महर्षि वाल्मीकि से संबंधित स्थलों पर दीप प्रज्वलन, दीपदान के अलावा रामायण पाठ होगा। यह कार्यक्रम जिला, तहसील और विकासखंड स्तर पर होंगे। इस अवसर पर हर आयोजन स्थल पर सफाई, पेयजल, ध्वनि, प्रकाश और सुरक्षा के पुरख़ा इंतजाम किए जानमे के निर्देश सीएम योगी ने दिए हैं। इस अवसर पर पूजन, हवन, लवकुश प्रसाद सहित अन्य कई कार्यक्रम होंगे। तुलसीदास आश्रम राजापुर चित्रकूट, वाल्मीकि आश्रम बिदूर कानपुर, वाल्मीकि आश्रम श्रावस्ती, अयोध्या, प्रयागराज सहित प्रदेश के कई स्थानों पर यह आयोजन होंगे।

### वाल्मीकि की तपोस्थली में होगी रामलीला

चित्रकूट के क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी डीके शर्मा के अनुसार, महर्षि वाल्मीकि की तपोस्थली लालापुर में जिला प्रशासन की ओर से बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यहां रामलीला का मंचन, वाल्मीकि रामायण का पाठ, भजन संध्या और स्थानीय कलाकारों की ओर से भजन की प्रस्तुति दी जाएगी। नदी के घाट पर वाल्मीकि आरती भी होगी। इसमें हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की आशा है। योगी सरकार इन कार्यक्रमों में स्थानीय कलाकारों को आध्यात्मिक मंच उपलब्ध कराएगी। इसके लिए जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में गठित समितियों की ओर से जनपद में चयनित मंदिरों व स्थलों पर कार्यक्रम होंगे।



**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत वैश्विक हथियार निर्यातक के रूप में उभरा है। ट्रेड डेटा मॉनिटर के अनुसार, रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने यूरोपीय देशों को 8,271 करोड़ रुपए के गोला-बारूद सप्लाई किए, जिनमें ऑस्ट्रलरी और मोटार शेल शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्वी और मध्य यूरोप को भारत का रक्षा निर्यात 1600 फीसदी बढ़ा है। भारत अब दक्षिण कोरिया के बाद इस क्षेत्र का दूसरा सबसे बड़ा गोला-बारूद सप्लायर है। चार साल पहले 28वें स्थान पर था। वहीं, मार्च 2026 तक भारत इजराइल को विमान, हेलीकॉप्टर और ड्रोन के पुर्जे सप्लाई कर चुका है।

- भारत के पास बड़ी डिफेंस इंडस्ट्री, यूरोप को जरूरत- हथियारों के व्यापार पर रिसर्व करने वाली स्वीडन की संस्था सिपरी के सीनियर रिसर्चर सिमोन वेजमैन का कहना है कि यूक्रेन की जरूरतों और यूरोप की रक्षा मांगों को पूरा करने के लिए भारत से हथियार इम्पोर्ट किए जा रहे हैं। भारत के पास इसका एक विकसित रक्षा उद्योग है। वहीं, किंग्स कॉलेज लंदन में राजनीति विज्ञानी वॉल्टर लाडविग कहते हैं कि भारतीय कंपनियां सीधे यूक्रेन को हथियार देने के बजाय यूरोपीय देशों को बेच रही हैं। भारत का रक्षा उद्योग एक तरफ यूरोप और यूक्रेन के सहयोगियों की गोला-बारूद की आपूर्ति कर रहा है, तो दूसरी तरफ पश्चिम एशिया में जरूरतें पूरा कर रहा है।

## चीन सीमा पर बड़ी तैयारी सुरक्षा बलों ने बनाए बंकर

- हर बटालियन में ड्रोन प्लाटून तैनात, बड़े पैमाने पर बन रहे भूमिगत बंकर, पाठ्यक्रम भी बना

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी) ने चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सुरक्षा मजबूत करने के लिए अपनी सभी सीमा बटालियनों में ड्रोन प्लाटून गठित की हैं। बल ने गलवन जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए 'स्ट्राइक' नामक नया प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी तैयार किया है। ये कदम भारत के सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी चीन का मुकाबला करने के लिए उठाए जा रहे हैं। आइटीबीपी के महानिदेशक (डीजी) शत्रुजीत सिंह कपूर ने गुरुवार को यह जानकारी दी। राजस्थान के अलवर स्थित बल के एक केंद्र में आयोजित अलंकरण समारोह के दौरान जवानों को संबोधित करते हुए कपूर ने कहा कि आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति को देखते हुए पारंपरिक युद्ध रणनीतियों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है।

# संयुक्त राष्ट्र संघ: भूमिका एवं वर्तमान प्रासंगिकता

(लेखक- सुनील कुमार महला )

**(24 अक्टूबर संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस पर विशेष आलेख)।**

शांति, सुरक्षा और मानवता की रक्षा बहुत ही जरूरी है और द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका ने विश्व समुदाय को यह एहसास कराया कि इन सबकी रक्षा के लिए विश्व में एक प्रभावी, मजबूत एवं निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय संगठन का होना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई। पाठकों को बताता चूँ कि वर्तमान में इस संगठन के 193 सदस्य देश हैं। कहना गलत नहीं होगा कि यू0एन0ए0(संयुक्त राष्ट्र संघ) केवल राष्ट्रों का ही संगठन नहीं है, बल्कि यह वैश्विक शांति, बहुपक्षवाद, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और साझा मानव भविष्य की सामूहिक आकांक्षा का प्रतीक है। आज जब पूरा विश्व युद्ध, भू–राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता, जलवायु संकट, आतंकवाद, आर्थिक असमानता और विभिन्नस तकनीकी एवं अन्यआ चुनौतियों का लगातार सामना कर रहा है, तब संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका और प्रासंगिकता पर विचार करना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

**संयुक्त राष्ट्र संघ की मुख्यर भूमिका-**

इस संगठन की भूमिका के बारे में यदि हम यहां पर चर्चा करें तो इसका काम विश्व के विभिन्न देशों के बीच आपसी सहयोग और मित्रता को बढ़ावा देना है। पाठक जानते होंगे कि यह संगठन अंतरराष्ट्रीय विवादों को बातचीत के माध्यम से सुलझाने या यूँ कहें कि देशों के बीच विवादों का शांतिपूर्ण समाधान, कूटनीतिक संवाद, शांति स्थापना और संघर्षों की रोकथाम करने, युद्धों को रोकने, मानवाधिकारों की रक्षा करने(मानव गरिमा, स्वतंत्रता, समानता तथा भेदभावरहित समाज की स्थापना को प्रोत्साहन) तथा गरीब और जरूरतमंद देशों की सहायता करने में (गरीबी, भुखमरी, अशिक्षा और असमानता को कम करने में सहयोग) या यूं कहें कि वैश्विक सामाजिक-आर्थिक विकास करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इतना ही नहीं यह संगठन शिक्षा,

### संपादकीय

## पोषण के भ्रामक दावे

कंपनियों की आक्रामक मार्केटिंग व विज्ञापनों के खेल से भारत में बच्चों के विकास के लिए जरूरी पोषक पदार्थों को बेचने का उपक्रम देश में दशकों से चला आ रहा है। इस प्रकार के खेल में फ़िल्मी व ग्लैमर की दुनिया की हरितियां मोटी रकम लेकर शामिल हो जाती हैं। विडंबना यह है कि देश का आम उपभोक्ता देशी-विदेशी खाद्य पदार्थ बेचने वाली कंपनियों के उन दावों पर भरोसा कर लेता है, जिनमें बच्चों के तेज विकास, मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता तथा दिमाग तेज करने के वादे किए जाते रहे हैं। लेकिन वास्तव में माता-पिता को इन दावों के वैज्ञानिक प्रमाण मिलने चाहिए, न कि लुभावने विज्ञापन। शिशुओं के विकास के लिए बनाए गए फार्मूले और कॉम्लान से संबंधित दावों को लेकर नेस्ले इंडिया और जाइडस वेलेनेस को भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई द्वारा नोटिस जारी किए गए, जिसने पोषण संबंधी दावों की विश्वसनीयता और सख्त नियामक निगरानी की आवश्यकता पर फ़िर सवाल खड़े कर दिए हैं। नियामक ने कॉम्लान के शिशुओं के तीव्र गति से विकास और एकाग्रता, स्मृति तथा रोग प्रतिबंधक क्षमता से संबंधित लाभ जैसे दावों पर सवाल उठाए हैं। नियामक ने नेस्ले को उसके शिशु आहार के फार्मूले में खास प्रोटीन की पाचन क्षमता और मां के दूध के समान रोग प्रतिरोधक क्षमता में सहायक लाभों को प्रमाणित करने के लिए कहा है। निस्संदेह, उत्पाद खरीदते समय ऐसे दावे माता-पिता के निर्णयों को प्रभावित कर सकते हैं। विशेष रूप से जब बच्चे के विकास को लेकर चिंताएं परिवार को बेहतर पोषण के वादों के प्रति संवेदनशील बनाती हैं। इस मामले में एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर द्वारा ऑनलाइन प्रचार की भी जांच की गई, जिसमें शिशु आहार फार्मूला उत्पादों की गुणवत्ता की रैंकिंग की गई थी। इसमें दावा किया गया था कि इसके उपयोग से बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता, मस्तिष्क के विकास और पाचन में लाभ मिलता है। आमतौर पर ऐसे प्रचारक मोटी फ़ीस लेकर उपभोक्ताओं को ठेस पहुंचाने का ही काम करते हैं। निस्संदेह, इस प्रकरण के बाद डिजिटल विज्ञापनों के नियमन की बढ़ती चुनौती भी सामने आती है। दरअसल, ऐसे भ्रामक व्यावसायिक प्रभावों से कभी-कभी वास्तविक लाभ देने वाली सलाह होने का भ्रम भी पैदा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि ‘शिशु दुग्ध विकल्प अधिनियम’ के तहत लगाई गई पाबंदियां विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इसका मकसद शिशुओं को मां का दूध देने की स्वास्थ्यकारी प्रथा को अनुचित व्यावसायिक प्रभावों से होने वाले नुकसान से बचाना है। वैसे देखें तो भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा दिए गए ये नोटिस मुनाफ़े के लिए किए जा रहे किसी गलत कार्य के अंतिम निष्कर्ष नहीं कहे जा सकते हैं। निश्चित रूप से इस प्रकरण में कंपनियों को भी अपना पक्ष रखने का अवसर मिलना ही चाहिए। वहीं दूसरी ओर, उनके बड़-चढ़कर किए जाने वाले दावों की जांच विश्वसनीय सबूतों और नियमों के आधार पर ही की जानी चाहिए। हालांकि, देश के नियामकों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि बिना ताकिक आधार वाले या गुमराह करने वाले दावों को उत्पाद बनाने वाली कंपनियों द्वारा तुरंत सुधारा जाए। वहीं दूसरी ओर, नियमों का उल्लंघन करने वाले उत्पादकों पर उचित कार्रवाई की जाए। वैसे तो हमारे देश में आमतौर पर खाद्य उत्पादों के लेबल और विज्ञापन ही अवसर उपभोक्ताओं के लिए जानकारी के मुख्य स्रोत होते हैं। खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों व अशिक्षित लोगों में यह समस्या ज्यादा होती है। इसलिए भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण को अपनी जांच-पड़ताल सख्ती से करनी चाहिए।

स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास के क्षेत्र में भी कार्य करता है। इसके अलावा, यह प्राकृतिक आपदाओं और मानवीय संकटों(जैसे कि युद्ध, विस्थापन, महामारी और प्राकृतिक आपदाओं) के समय प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करता है। अंतरराष्ट्रीय कानून का विकास करने में भी इस संगठन की भूमिका बहुत ही महत्तसवपूर्ण है। दरअसल, यह संगठन राष्ट्रों के बीच नियम-आधारित व्यवस्था, संधियों और कानूनी सहयोग को प्रोत्साहित करता है। इसके अतिरिक्त, जलवायु परिवर्तन से निपटने, जैव-विविधता बचाने और सतत विकास को बढ़ावा देने या यूं कहें कि पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी इस संगठन की भूमिका बहुत विशेष है। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में ही नहीं, विभिन्न वैश्विक समस्याओं जैसे कि स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, साइबर सुरक्षा तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी चुनौतियों पर सामूहिक कार्रवाई के लिए भी यह संगठन मंच उपलब्ध कराता है। कुल मिलाकर, यह बात की जा सकती है कि, संयुक्त राष्ट्र विश्व में शांति, सुरक्षा, समानता और सहयोग स्थापित करने का प्रयास करता है।

**वर्तमान समय में संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता-**

आज संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता केवल उसके

उद्देश्यों से नहीं, बल्कि इस बात से निर्धारित होती है कि वह बदलती विश्व व्यवस्था की चुनौतियों का समाधान कितनी प्रभावशीलता से कर पाता है। जैसा कि इस आलेख में पूर्व में भी चर्चा कर चुका हूँ कि यह संगठन वैश्विक शांति एवं सुरक्षा के लिए काम करता है। कहना गलत नहीं होगा कि वर्तमान में रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया के संघर्ष और अन्य क्षेत्रीय संकटों के बीच संयुक्त राष्ट्र कूटनीतिक संवाद, मानवीय सहायता तथा शांति स्थापना के लिए एक महत्त्वपूर्ण मंच है। हालाँकि, यह बात अलग है कि सुरक्षा परिषद में महाशक्तियों के मतभेद इसकी प्रभावशीलता को सीमित करते हैं। बहुष्‍रुचीय विश्व व्यवस्था में संतुलन भी इस संगठन का प्रमुख कार्य है। आज विश्‍वक में विकासशील देशों की संख्‍यास बढी है एवं विश्‍व में अनेक शक्तियां उभरकर सामने आ रही हैं,

ऐसे समय में इस संगठन ने सभी देशों को संवाद का अवसर देकर अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सामूहिक निर्णय–प्रक्रिया को मजबूत करने का काम किया है।सतत विकास एवं सामाजिक न्‍याय की दिशा में इस संगठन की भूमिका की बात करें तो इसके सतत विकास लक्ष्‍य गरीबी उन्‍मूलन, गुणवत्‍तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता, स्‍वास्‍थ्‍य और पर्यावरण संरक्षण के लिए साझा वैश्विक दिशा प्रदान करते हैं। इतना ही नहीं, आज के समय में, जलवायु परिवर्तन किसी एक देश की समस्या नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के अस्‍त्‍वत्‍व से जुड़ी चुनौती है। संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ताओं और अंतरराष्ट्रीय समझौतों के माध्‍यम से देशों को साझा जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करता है। मानवाधिकार एवं मानवीय गरिमा के क्रम में शरणार्थियों, महिलाओं, बच्चों, अल्‍पसंख्‍यकों तथा संघर्ष प्रभावित नागरिकों के अधिकारों की रक्षा में संयुक्त राष्ट्र की संस्‍थाएँ महत्‍वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और यह बात किसी से छिपी नहीं है। इतना ही नहीं, संयुक्त राष्ट्र कृत्रिम बुद्धिमत्‍ता(एआइ), साइबर अपराध, डिजिटल असमानता और महामारी जैसी सीमापार चुनौतियों के क्रम में बहुपक्षीय विमर्श को लगातार प्रोत्‍साहित करता है।

**संयुक्त राष्ट्र संघ के समक्ष मौजूद चुनौतियाँ-**

कहना गलत नहीं होगा कि वर्तमान समय में यह संगठन कई अभूतपूर्व और जटिल चुनौतियों का सामना कर रहा है। आज तेजी से बदलती वैश्विक व्यवस्‍था, महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता और नए प्रकार के संकटों ने इसके कामकाज और प्रासंगिकता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सुरक्षा परिषद में प्रमुख शक्तियों द्वारा वीटो पावर के दुरुपयोग और बढ़ते भू–राजनीतिक तनावों के कारण यह वैश्विक संघर्षों में त्‍वरित निर्णय लेने में अक्‍सर विष्‍फल रहता है।लरल शब्‍दों में कहें तो पाँच स्‍थायी सदस्‍यों की विशेष शक्ति सुरक्षा परिषद में सामूहिक कार्रवाई को बाधित कर सकती है। इसके अतिरिक्त, 1945 के पुराने ढांचे में वर्तमान विश्‍व व्यवस्‍था के अनुसार उचित प्रतिनिधित्‍व का अभाव है, जिसके

# 81 साल बाद भी अधूरी है संयुक्त राष्ट्र की शांति-प्रतिज्ञा

(लेखक- योगेश कुमार गोयल )

**- बदलती दुनिया में अप्रासंगिक होता संयुक्त राष्ट्र**

**(संयुक्त राष्ट्र दिवस (24 अक्तूबर) पर विशेष)**

दुनिया के 50 देशों ने वर्ष 1945 में मिलकर संयुक्त राष्ट्र अधिकार पत्र पर हस्ताक्षर कर संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन किया था, जिसके बाद से प्रतिवर्ष 24 अक्तूबर को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया जाता है। दरअसल द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को अधिक समतापूर्ण और न्यायोचित बनाने के लिए एक नए संगठन की स्थापना का विचार उभरा था, जो पांच राष्ट्रमंडल सदस्यों तथा आठ यूरोपीय निर्वासित सरकारों द्वारा 12 जून 1941 को लंदन में हस्ताक्षरित अंतर–मैत्री उद्घोषणा में पहली बार सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त हुआ था। उस उद्घोषणा के अंतर्गत एक स्वतंत्र विश्व के निर्माण हेतु कार्य करने का आह्वान किया गया था, जिसमें लोग शांति और सुरक्षा के साथ भयमूक्त वातावरण में रह सकें तथा निजीकरण एवं आर्थिक सहयोग के मार्ग की खोज कर सकें। उसके बाद 1944 में सोवियत संघ, अमेरिका, चीन तथा ब्रिटेन के प्रतिनिधियों द्वारा वाशिंगटन के डम्बर्टन ओक्स एस्टेट में कई बैठकों के आयोजन के बाद एक शांतिरक्षक वैश्विक संस्था बनाने की रूपरेखा तैयार की गई, जिसके आधार पर 50 देशों के प्रतिनिधियों के बीच 1945 में बातचीत हुई और 26 जून 1945 को सभी 50 देशों द्वारा चार्टर पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद यह चार्टर 24 अक्तूबर 1945 से प्रभावी हो गया। तभी से प्रतिवर्ष 24 अक्तूबर को ‘संयुक्त राष्ट्र दिवस’ मनाया जाने लगा।

अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों में हस्तक्षेप करने के उद्देश्य से स्थापित करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ को इतनी शक्तियां प्रदान की गई कि वह अपने सदस्य देशों की सेनाओं को विश्व शांति के लिए कहीं भी तैनात कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से ही दुनिया के अनेक देश इसके साथ जुड़ते गए और 50 सदस्यों के साथ शुरू हुए इस वैश्विक संघ के सदस्य देशों की संख्या अब 193 हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की संरचना में सुरक्षा परिषद वाले सबसे शक्तिशाली देश थे अमेरिका, फ्रांस, रूस तथा यूनाइटेड किंगडम,

जिनकी द्वितीय विश्वयुद्ध में अहम भूमिका थी। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्य उद्देश्यों में युद्ध रोकना, मानवाधिकारों की रक्षा करना, सभी देशों के बीच मित्रवत संबंध कायम करना, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को निभाने की प्रक्रिया जुटाना, सामाजिक एवं आर्थिक विकास, निर्धन तथा भूखे लोगों की सहायता करना, उनका जीवन स्तर सुधारना, बीमारियों से लड़ना इत्यादि शामिल हैं और इन उद्देश्यों को निभाने के लिए 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा प्रमाणित की गई। हालांकि विडम्बना है कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के इन 81 वर्षों में यह वैश्विक संस्था अब धीरे-धीरे अपनी प्रासंगिकता खोने लगी है। दरअसल बीते 81 वर्षों से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अर्थव्यवस्था, हथियार, मीडिया, समाज, मुद्रा तथा समाज से संबंधित तमाम नीतियां इसके पांच स्थायी सदस्य देशों ब्रिटेन, अमेरिका, चीन, रूस तथा फ्रांस के राष्ट्रीय हितों के अनुरूप ही निर्धारित की जाती रही हैं, जिस कारण ऐसी नीतियों का खामियाजा भारत के अलावा जापान, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, इज़रायल, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे कई अन्य देशों को भुगतना पड़ा है, जो संयुक्त राष्ट्र महासभा की स्थायी सदस्यता के लिए तमाम मानदंडों को पूरा करने के बाद भी दशकों से सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य बनने के लिए प्रयासरत हैं।

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के आठ दशकों में विश्व के सामरिक और आर्थिक समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं लेकिन इतना लंबा समय बीत जाने और तमाम वैश्विक समीकरण पूर्ण रूप से बदल जाने के बावजूद वीटो अधिकार वाले पांचों स्थायी सदस्यों में से कोई भी अपने वीटो अधिकार और स्थायी सीट को छोड़ने को तैयार नहीं है। हालांकि स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर संयुक्त राष्ट्र में आम सहमति है लेकिन चीन को खासकर एशिया से वीटो अधिकार वाले सदस्यों की संख्या बढ़ाना किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं है, जहां स्थायी सदस्यता के दोनों दावेदारों (भारत और जापान) पर वह विभिन्न कारणों से संदेह करता है। भारत ने जिस चीन को मान्यता देने में पहल की थी और सुरक्षा परिषद में उसकी स्थायी सीट को सिद्धांत के तौर पर लेने से मना कर दिया था, आज वही चीन भारत की स्थायी सदस्यता के मार्ग में रोड़े अटका रहा है। भारत चीन के वीटो पावर के कारण ही सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं बन पा रहा है।

# भय को पहचानो

बहुत तरह के मानसिक भय हमें चारों तरफ से दबाए हुए हैं।उन्हें हमें पहचान लेना पड़ेगा।उन्हें हम बिना पहचाने छोड़ भी न सकेंगे।जिस भय को हम पहचान लेगे, वह छूट जाएगा।लेकिन हम उन्हें पहचान नहीं पाते, नये-नये नाम दे देते हैं।और नाम धोखे के हैं।हम इतनी ज़्यादा चलाकी में जिए हैं हजारों वर्षों में कि चीजों पर ठीक-ठीक नाम नहीं रहने दिये। हर डिब्बे पर नाम बदल दिया है। अंदर कुछ और है, ऊपर नाम कुछ और है।इसलिए खोज भी बहुत मुश्किल हो गई है कि कौन सी चीज कहाँ हैं। एक आदमी को हम कहते हैं- यह बहुत अच्छा आदमी है। और सौ अच्छे आदमियों में से अठानवे अच्छे आदमी अच्छे नहीं होते।सिर्फ डरे हुए लोग होते हैं और डर की वजह से अच्छे मालूम होते हैं। मैं कहता हूँ, मैं कभी चोरी नहीं करता लेकिन अगर थोड़ी जांच-पड़ताल करूँ तो पाते चलेगा कि चोरी तो मैं भी करना चाहता हूँ, लेकिन भय मुझे रोक लेता है।तब मैं अच्छा आदमी नहीं हूँ, भयभीत आदमी हूँ।लेकिन हम लेबल बदल देंगे। हमें पता ही नहीं चलता।एक आदमी कहता है, मैं बिल्कुल ईमानदार आदमी हूँ। उसे थोड़ी जांच-पड़ताल करनी चाहिए कि कहीं ऐसा तो नहीं है कि वह बेईमान है। और भयभीत है। यानी बेईमान

अधिकार ) पर लगाम लगनी चाहिए, जिसके कारण अवसर दुनिया की भलाई के अहम फैसले अटक जाते हैं। इसके अतिरिक्त, आज शांति स्थापना और संघर्षों की रोकथाम के लिए कूटनीतिक तंत्र को मजबूत करने, विकासशील देशों को वैश्विक आर्थिक एवं तकनीकी निर्णयों में अधिक भागीदारी दिये जाने, वित्तीय पारदर्शिता, जवाबदेही और संस्थागत दक्षता में सुधार किये जाने के साथ ही साथ मानवाधिकारों और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुपालन में दोहरे मानदंडों से भी बचने की आवश्यकता है। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र जो भी नियम बनाए या इसकी अंतरराष्ट्रीय अदालत जो भी फैसला दे, उसे सभी देशों से सख्ती से मनवाने का कोई ठोस तरीका होना चाहिए, ताकि इसके फैसले सिर्फ कागजी सलाह बनकर न रह जाएँ। अभी यह संयुक्त अपने फंड के लिए कुछ अमीर देशों पर बहुत ज्यादा निर्भर है, जिसका फ़यदा उठाकर वे देश इसकी नीतियों पर दबाव डालते हैं। अगर सभी देश अपना हिस्सा समय पर दें, तो यह बिना किसी दबाव के काम कर सकेगा। इसके अलावा, इसके कार्यालयीन कामकाज को और अधिक तेज व त्व रित करने की सख्त जरूरत है ताकि किसी आपदा, अकाल या युद्ध के समय प्रभावित लोगों तक तुरंत मदद पहुंचाई जा सके। इसकी पीसकीपिंग फ़ैस(शांति बनाए रखने वाली सेनाओं) को भी आज की आधुनिक तकनीक से लैस करने की जरूरत है, ताकि वे केवल मूक दर्शक न रहें और आतंकवाद या आधुनिक युद्धों का डटकर सामना कर सकें। आज दुनिया के सामने जलवायु परिवर्तन, जल संकट, साइबर खतरे और आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (एआइ) जैसी बिल्कुल नई चुनौतियां हैं। संयुक्त राष्ट्र को इन मुद्दों पर सिर्फ बैठकें करने या लक्ष्य तय करने के बजाय सख्त अंतरराष्ट्रीय नियम बनाने होंगे, जिन्हें तोड़ने वाले देशों पर कार्रवाई हो सके। हालांकि, यह सब तभी मुमकिन है जब दुनिया के शक्तिशाली देश अपने निजी स्वार्थों को छोड़कर, पूरी दुनिया के भले के लिए एक साथ मिलकर ईमानदारी से काम करने की इच्छाशक्ति दिखाएँ।

संयुक्त राष्ट्र संघ की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित किए जाने वाले प्रस्ताव बाध्यकारी प्रकृति के नहीं होते। आश्चर्य की बात है कि महासभा में 193 सदस्य देशों द्वारा पारित किए जाने वाले प्रस्ताव भी सुरक्षा परिषद के 5 स्थायी सदस्यों की सहमति पर ही निर्भर करते हैं। इसीलिए अनेक देशों द्वारा इसमें सुधार किए जाने की मांग बीते कई वर्षों से निरंतर की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी की वकालत करते हुए कह चुके हैं कि नई ताकतों को केन्द्रीय भूमिका में लाए बिना दुनिया की यह सबसे बड़ी पंचायत स्वयं से की जाने वाली अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पाएगी। दुनिया के कई देश बार-बार कहते रहे हैं कि संयुक्त राष्ट्र का ढांचा अब पुराना पड़ चुका है और इसकी स्थापना के समय जो परिस्थितियां थी, वे अब बहुत पुरानी हो चुकी हैं। इसलिए यदि यह वैश्विक संस्था अपने भीतर समयानुकूल सुधार नहीं लाती है तो कालांतर में यह महत्वहीन होती चली जाएगी।

रूस-यूक्रेन युद्ध हो या इज़रायल-फिलस्तीन अथवा अमेरिका-ईरान युद्ध, इन संघर्षों में दोनों ही पक्षों के हजारों बेगुनाह लोग मारे जा रहे हैं, हजारों परिवार उजड़ चुके हैं, लाखों की आबादी पलायन की त्रासदी से जूझ रही है, शहर के शहर मलबे में तब्दील हो रहे हैं लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ इन संघर्षों को रोकने के लिए कुछ नहीं कर सका है। इसीलिए दुनिया में जगह-जगह युद्ध टालने के लिए संयुक्त राष्ट्र की ओर से ठोस प्रस्तावों पर अमल किए जाने की जरूरत महसूस होती रही है क्योंकि इस वैश्विक संस्था का गठन ही दुनिया में अमन-चैन कायम रखने के उद्देश्य के साथ किया गया था लेकिन चिंता की बात है कि इन युद्धों में उसकी निष्क्रियता समूची मानव सभ्यता पर भारी पड़ रही है। भीषण होते इन युद्धों के कारण दुनिया अब दो धड़ों में बंटती जा रही है और संयुक्त राष्ट्र के अधिकांश सदस्य देश भी अब केवल बयान जारी करने से आगे नहीं बढ़ रहे। बहरहाल, यदि अभी भी संयुक्त राष्ट्र के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ती है तो यह संस्था आने वाले समय में अपना महत्व खो देगी। सही मायनों में दुनिया की इस सबसे बड़ी पंचायत को अब गंभीर आत्ममथन की जरूरत के साथ पर्याप्त सुधारों की सख्त दरकार है।

भय, ईमानदार आदमी हो गया लेकिन वया यह ईमानदार की परिभाषा हुई? अगर कल उसे पता चल जाए कि एक दिन के लिए सब कानून उठा लिए गये और सब पुलिसवालों को छुड़ी दे दी गई और एक दिन के लिए कोई अदालत नहीं है, तब उसकी सारी ईमानदारी गीत गई।यानी वह अब ईमानदार नहीं है। अच्छा आदमी इसीलिए कमजोर है।अक्सर ऐसा होता है कि अच्छा आदमी कमजोरी की वजह से अच्छा आदमी होता है। और इससे उल्टा भी होता है कि बुरा आदमी अक्सर ताकत की वजह से बुरा हो जाता है।धर में एक बच्चा बिल्कुल गोबर गणोश हो तो मां-बाप कहेंगे-बहुत आज्ञाकारी है और दूसरा थोड़ा शक्तिशाली हो, तो कहेंगे- आज्ञा का उल्लंघन करता है, कहना मानता ही नहीं लेकिन समझना जरूरी है कि गोबर-गणेश होना अच्छा होना नहीं है।हमने लेबल बदल कर लगाए हुए हैं। इसलिए जहां भय हैं वहां भी हम पकड़ नहीं पाते कि यह भय है।जहां हिंसा है, हिंसा पकड़ में नहीं आती।जहां घृणा है, घृणा पकड़ में नहीं आती।जहां प्रेम नहीं है, वहां पकड़ में नहीं आता।सब तरफ धोखा हो गया है।आदमी ने अपने भीतर की जो व्यवस्था की है, उसमें सब जगह गलत नाम लगा दिये हैं।

# सोनिया गांधी की आत्मकथा: इतिहास के पन्ने खुलेंगे या राजनीति में नया तूफान?

(लेखक- सनत जैन )

**- प्रेम, परिवार, सता और रहस्यों की कहानी**

भारतीय राजनीति में कुछ किताबें केवल साहित्य नहीं होतीं, बल्कि इतिहास को देखने का नया नजरिया भी देती हैं। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की आत्मकथा बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव ऐसी ही एक पुस्तक मानी जा रही है। 10 नवंबर 2026 को प्रकाशित होने जा रही इस किताब ने बाजार में आने से पहले ही राजनीतिक हलकों में उत्सुकता पैदा कर दी है। सोनिया गांधी ने 22 अक्टूबर को इंस्टाग्राम पर पहला वीडियो जारी कर पुस्तक की झलक दिखाई है। एब सवाल है, यह आत्मकथा उनके निजी जीवन की कहानी बनकर रह जाएगी या भारतीय राजनीति के कई अनकहे अध्याय भी सामने लाएगी? सोनिया गांधी की कहानी केवल एक विदेशी युवती के भारतीय परिवार की बहू बनने की कहानी नहीं है।

यह उस महिला की यात्रा है, जिसने भारत के सबसे प्रभावशाली राजनीतिक परिवार में प्रवेश किया। उन्होंने पिछले 58 वर्षों में ऐसी ऐतिहासिक घटनाओं का सामना किया, जिन्होंने उसके व्यक्तिगत जीवन और उसकी सोच को हमेशा के लिए बदल दिया। 25 फरवरी 1968 को राजीव गांधी से विवाह के बाद सोनिया गांधी भारतीय समाज और संस्कृति का हिस्सा बनीं। भारतीय खान-पान, परंपराओं, पारिवारिक संबंधों और सामाजिक जीवन को समझने से लेकर नेहरू-गांधी परिवार की राजनीतिक विरासत के बीच अपनी पहचान बनाने तक उनका सफर असाधारण रहा है। इस सफर में खुशियों से अधिक दुख और त्रासदियां भी आईं। संजय गांधी की विमान दुर्घटना में मृत्यु, 1984 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या और 1991 में राजीव गांधी की आतंकवादी हमले में मृत्यु ने इस परिवार को गहरे आघात दिए। इन घटनाओं को सोनिया गांधी ने परिवार के भीतर से देखा और उसे सहन किया है। उनकी आत्मकथा में इन प्रसंगों का विवरण इतिहास के मानवीय एवं

राजनीतिक पक्ष को समझने का एक मौका भी होगा।

सोनिया गांधी के राजनीतिक जीवन का सबसे चर्चित अध्याय 2004 में सामने आया, जब कांग्रेस नेतृत्व वाले गठबंधन को लोकसभा चुनाव में सफलता मिली। कांग्रेस संसदीय दल ने उन्हें अपना नेता चुना, उन्होंने प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं किया। उस समय उन्नीसवीं महिला होने के कारण उनका विरोध हो रहा था। उन्होंने ऐसे समय पर डॉ. मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाने का निर्णय लिया। यह फैसला त्याग था या रणनीति थी, या परिस्थितियों की मांग थी। इस पर वर्षों से बहस होती रही है। आत्मकथा में उस समय की परिस्थितियों, पार्टी के भीतर हुए विचार-विमर्श और उनके व्यक्तिगत निर्णय के कारणों का विस्तार मिलता है, तो भारतीय राजनीति की महत्वपूर्ण घटनाओं को एक महत्वपूर्ण अध्याय को बेहतर ढंग से समझा जा सकेगा। पुस्तक के लेख विवाद तब बढ़ा, जब पॉपुलर रैंडम हाउस इंडिया ने इसके प्रकाशन से पीछे हटने की घोषणा की। संपादकीय बदलावों और कुछ अंशों को लेकर मतभेद की

खबरें सामने आईं। कांग्रेस के कुछ नेताओं ने बाहरी दबाव की आशंका जताई। प्रकाशक ने इस दावे से अस्वहमित व्यक्त करते हुए कहा, संपादकीय समीक्षा और तथ्य-जांच सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा हैं। बाद में हार्पर कॉलिन्स इंडिया ने पुस्तक प्रकाशित करने की जिम्मेदारी ली। इस घटनाक्रम ने एक महत्वपूर्ण सवाल खड़ा किया है, क्या किसी राजनीतिक व्यक्ति की आत्मकथा में सता, सरकार और राजनीतिक विरोधियों से जुड़े विवादारूपद प्रसंगों को बिना अनुचित हस्तक्षेप के सामने आने का अवसर मिलना चाहिए? इसका उत्तर लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, प्रकाशिकीय जिम्मेदारी और तथ्यात्मक निष्पक्षता के बीच विचार विमर्श को बढ़ा दिया है। सोनिया गांधी की आत्मकथा में यदि समकालीन राजनीति, कांग्रेस के आंतरिक निर्णयों, विपक्ष की रणनीतियों और प्रमुख नेताओं के साथ उनके अनुभवों पर महत्वपूर्ण विवरण सामने आने हैं, तो राजनीतिक दलों के बीच नई बहस शुरू होना तय है। हालांकि, पुस्तक पढ़े बिना कोई निष्कर्ष निकालना संभव

नहीं है। इस पुस्तक में कौन-से नए खुलासे होंगे। उनका राजनीतिक प्रभाव कितना व्यापक होगा। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच लंबे समय से चल रहे राजनीतिक संघर्ष के संदर्भ में पुस्तक के कुछ प्रसंगों पर राजनीति में अक्सर पड़ सकता है। इससे संसद, मीडिया और राजनीतिक विमर्श में नए प्रश्न जरूर उठेंगे, जो वर्तमान राजनीति को प्रभावित करेंगे। सोनिया गांधी ने छह दशकों में भारत के अनेक ऐतिहासिक परिवर्तन देखे हैं। आपातकाल, इंदिरा गांधी का सत्ता से हटना और पुनः सत्ता में वापसी, ऑपरेशन ब्लू स्टार, इंदिरा गांधी की प्रधानमंत्री निवास को गोलियों से भूनकर हड़िया, राजीव गांधी का प्रधानमंत्री बनना, फिर उनकी हत्या। राजनीतिक और पारिवारिक दृष्टिकोण से ऐसी घटनाएं थीं, जिन्हें झेल पाना हर आदमी के बस की बात नहीं होती है। यह सभी घटनाएं आधुनिक भारत के इतिहास का हिस्सा हैं। इन घटनाओं को देखने वाले व्यक्ति की स्मृतियां इतिहास को एक अलग दृष्टिकोण और सीख दे सकती हैं।

| वेलस्पन कॉर्प को मिला 5,500 करोड़ की पाइप आपूर्ति का ठेका                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| नई दिल्ली ।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |
| <p>वेलस्पन कॉर्प को अमेरिका में प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजना के लिए कोटेड लाइन पाइप की आपूर्ति करने का करीब 5,500 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस ठेके के साथ उसकी वैश्विक ऑर्डर बुक बढ़कर करीब 5.25 अरब अमेरिकी डॉलर (50,000 करोड़ रुपये) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई है। इसमें कहा गया कि वेलस्पन कॉर्प की अमेरिकी अनुषंगी कंपनी वेलस्पन ट्यूबलर एलएलसी को परमियम प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजना के लिए कोटेड लाइन पाइप की आपूर्ति करने के वास्ते एक प्रमुख मिडस्ट्रीम (परिवहन एवं भंडारण) कंपनी से करीब 5,500 करोड़ रुपये का ठेका मिला है।</p> <h3>इंडसइंड सिक्वोरिटीज ने राजीव श्रीवास्तव को एमडी एवं सीईओ किया नियुक्त</h3> <p>नई दिल्ली ।</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |
| <p>इंडसइंड कैपिटल की अनुषंगी कंपनी और इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड (आईआईएचएल) का हिस्सा इंडसइंड सिक्वोरिटीज ने राजीव आर. श्रीवास्तव को अपना प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की शुक्रवार को घोषणा की। कंपनी पहले रिलायंस सिक्वोरिटीज लिमिटेड के नाम से जानी जाती थी। इंडसइंड सिक्वोरिटीज ने बयान में कहा कि यह नियुक्ति ब्रॉकिंग कंपनी के लिए नए सिरे से वृद्धि की रणनीति की शुरुआत है। कंपनी का लक्ष्य देश में तेजी से बढ़ते निवेशक आधार के लिए आधुनिक और प्रौद्योगिकी आधारित निवेश मंच बनना है। कंपनी ने कहा कि श्रीवास्तव को बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और पूंजी बाजारों में करीब 25 साल का अनुभव है। उन्होंने बाजार के कई उतार-चढ़ाव के दौरान ब्रॉकिंग कारोबार का नेतृत्व किया है। इंडसइंड सिक्वोरिटीज से जुड़ने से पहले वह स्टैंडर्ड चार्टर्ड सिक्वोरिटीज के एमडी एवं सीईओ थे। बयान के अनुसार, इंडसइंड सिक्वोरिटीज में वह कंपनी की वृद्धि के अगले चरण का नेतृत्व करेंगे। उन्हें कारोबार को फिर से गति देने और भारत के बदलते निवेश परिदृश्य में इसे अग्रणी स्थान पर पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।</p> <h3>बोनफिगिलयोली ट्रांसमिशंस के शेयर की बाजार में सपाट शुरुआत</h3> |

|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |
| मुंबई ।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
| <p>बोनफिगिलयोली ट्रांसमिशंस लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हुए। अपने 586 रुपये के निर्गम मूल्य पर सपाट शुरुआत करने के बाद कंपनी के शेयरों में निवेशकों की अच्छी प्रतिक्रिया देखने को मिली और बाद में वे 3.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 607 रुपये पर पहुंच गए। बीएसई और एनएसई दोनों पर कंपनी के शेयर 586 रुपये के निर्गम मूल्य पर कारोबार शुरू किया। हालांकि, कारोबार के दौरान इन्में तेजी आई और यह 607 रुपये पर पहुंच गया। लिस्टिंग के बाद, कंपनी का बाजार पूंजीकरण एनएसई पर 10,917.86 करोड़ रुपये और बीएसई पर 10,775.92 करोड़ रुपये रहा। बोनफिगिलयोली ट्रांसमिशंस के 2,533.80 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को बोली के अंतिम दिन 46.06 गुना अधिदान मिला था। निर्गम का मूल्य दायरा 558-586 रुपये प्रति शेयर था। यह आईपीओ पूरी तरह बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित था, जिससे कंपनी को कोई राशि नहीं मिलेगी। यह इटली की बोनफिगिलयोली एस.पी.ए. की भारतीय अनुषंगी है, जो गियरबॉक्स और ड्राइव सिस्टम जैसे यांत्रिक तथा इलेक्ट्रो-मेकेनिकल पावर ट्रांसमिशन उत्पादों का विनिर्माण करती है।</p> |
| मुंबई ।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
| <p>बोनफिगिलयोली ट्रांसमिशंस लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हुए। अपने 586 रुपये के निर्गम मूल्य पर सपाट शुरुआत करने के बाद कंपनी के शेयरों में निवेशकों की अच्छी प्रतिक्रिया देखने को मिली और बाद में वे 3.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 607 रुपये पर पहुंच गए। बीएसई और एनएसई दोनों पर कंपनी के शेयर 586 रुपये के निर्गम मूल्य पर कारोबार शुरू किया। हालांकि, कारोबार के दौरान इन्में तेजी आई और यह 607 रुपये पर पहुंच गया। लिस्टिंग के बाद, कंपनी का बाजार पूंजीकरण एनएसई पर 10,917.86 करोड़ रुपये और बीएसई पर 10,775.92 करोड़ रुपये रहा। बोनफिगिलयोली ट्रांसमिशंस के 2,533.80 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को बोली के अंतिम दिन 46.06 गुना अधिदान मिला था। निर्गम का मूल्य दायरा 558-586 रुपये प्रति शेयर था। यह आईपीओ पूरी तरह बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित था, जिससे कंपनी को कोई राशि नहीं मिलेगी। यह इटली की बोनफिगिलयोली एस.पी.ए. की भारतीय अनुषंगी है, जो गियरबॉक्स और ड्राइव सिस्टम जैसे यांत्रिक तथा इलेक्ट्रो-मेकेनिकल पावर ट्रांसमिशन उत्पादों का विनिर्माण करती है।</p> |

# जियो आईपीओ ने शेयर बाजार में नया रिकॉर्ड बनाया

1 करोड़ से ज्यादा आवेदन हासिल करने वाला भारत के इतिहास का पहला आईपीओ बना

|             |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |
|-------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| मुंबई ।     | <p>जियो प्लेटफॉर्म के आईपीओ ने भारतीय शेयर बाजार में नया रिकॉर्ड बना दिया है। कंपनी का आईपीओ 1 करोड़ से ज्यादा आवेदन हासिल करने वाला भारत के इतिहास का पहला आईपीओ बन गया है। शुक्रवार को बोली के</p>                                                                                                                                |
| मुंबई ।     | <p>तीसरे और आखिरी दिन दोपहर 12 बजे तक इस आईपीओ को कुल 1,00,15,118 आवेदन मिल चुके थे। 30,213 करोड़ रुपए के इस इश्यू को अब तक 6.89 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। इससे पहले सबसे ज्यादा आवेदन पाने का रिकॉर्ड वारी एनर्जीज के नाम था। अक्टूबर 2024 में आए</p>                                                                             |
| नई दिल्ली । | <p>डीएसएफ/जीएसकेडब्ल्यू/2018 में गोदावरी-1 कुएं में यह खोज की गई है। हाल ही में किए गए परीक्षणों में अधिकतम 2,00,000 मानक घन मीटर प्रतिदिन कंडेनसेट उत्पादन दर्ज किया गया। वर्तमान में कुएं से लगभग 1,00,000 एससीएमडी गैस निकल रही है। यह ब्लॉक ओआईएल ने डीएसएफ बोली प्रक्रिया के दौरान हासिल किया था। यह खोज भारत के लिए घरेलू</p> |

# शेयर बाजार की मजबूती के साथ शुरुआत

सेंसेक्स में 500 अंकों की रैली, निफ्टी 22,700 के पार; बाजार का हाल

|         |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
|---------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| मुंबई । | <p>भारतीय इक्विटी बाजार में शुक्रवार की सुबह कारोबार की शुरुआत होते ही शांदादर तेजी दर्ज की गई। ओपनिंग बेल के साथ ही घरेलू शेयर बाजार में जोरदार खरीदारी देखने को मिली, जिसके चलते बीएसई सेंसेक्स में 500 अंकों तक की रैली दर्ज की गई और एनएसई निफ्टी 22,700 का महत्वपूर्ण स्तर पार करने में कामयाब रहा। बाजार के इस सकारात्मक रुझान को मुख्य रूप से टेक्नोलॉजी क्षेत्र का मजबूत प्रदर्शन मिला, जहां टेक इंडेक्स में 3 प्रतिशत तक का उछाल आया। कारोबारी सत्र की शुरुआत के बाद उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, दोनों मुख्य बेंचमार्क सूचकांक हरे</p> |
| मुंबई । | <p>निशान में कारोबार कर रहे थे। बीएसई सेंसेक्स 273.43 अंक की बढ़त के साथ 73,522.82 के स्तर पर ट्रेड कर रहा था। शुरुआती सत्र के दौरान इसमें 500 अंकों तक का उछाल देखा गया। एनएसई का 50 शेयरों वाला</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |



निशान में कारोबार कर रहे थे। बीएसई सेंसेक्स 273.43 अंक की बढ़त के साथ 73,522.82 के स्तर पर ट्रेड कर रहा था। शुरुआती सत्र के दौरान इसमें 500 अंकों तक का उछाल देखा गया। एनएसई का 50 शेयरों वाला

निफ्टी इंडेक्स 16.25 अंक यानी 0.07 प्रतिशत की बढ़त लेकर 22,703.90 के स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी ने कारोबार की शुरुआत में ही 22,700 के स्तर को पार कर लिया। इस शुरुआती रैली में किस सेक्टर ने सबसे

मजबूत भूमिका निभाई?शुक्रवार को ओपनिंग बेल के बाद बाजार को सबसे बड़ा सहारा टेक्नोलॉजी सेक्टर से मिला। आईटी और टेक शेयरों में आई तेजी के कारण टेक इंडेक्स 3 प्रतिशत तक उछल गया।

# एआई ने बैंकिंग में दी दस्तक, बार्कलेज 5000 नौकरियों की करेगा कटौती

- ब्रिटिश बैंक ने लागत घटाने और दक्षता बढ़ाने के लिए उठाया कदम

|             |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |
|-------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| नई दिल्ली । | <p>कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का दोहरा प्रभाव अब स्पष्ट रूप से सामने आ रहा है- जहां एक ओर यह उत्पादकता बढ़ाता है, वहीं दूसरी ओर यह रोजगार पर तलवार बनकर लटक रहा है। आईटी क्षेत्र के बाद अब बैंकिंग सेक्टर की इसकी चपेट में आ गया है। हाल ही में, ब्रिटेन के प्रमुख बैंक बार्कलेज ने घोषणा की है कि वह 5,000 कर्मचारियों को छंटनी करेगा, जो उसके कुल कार्यबल का लगभग 5 फीसदी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, बार्कलेज को लेकर एआई के उपयोग से अपनी निश्चित लागतों को कम करना और लाभप्रदता में सुधार करना है। घोषित 5,000 नौकरियों में से कटौती में से, लगभग 1,000 पद</p>                                                                      |
| नई दिल्ली । | <p>पहले ही समाप्त किए जा चुके हैं, जबकि शेष कर्मचारियों को साल 2026 के अंत तक बाहर किया जा सकता है। यह छंटनी ऐसे समय में हो रही है जब बैंक ने अपनी तीसरी तिमाही में 2.3 अरब पाउंड (लगभग 29,193 करोड़ रुपये) का प्रभावशाली मुनाफा दर्ज किया है। हालांकि, यह पिछले साल की तुलना में बेहतर था, विशेषज्ञों का अनुमान था कि मुनाफा और अधिक हो सकता था, जिसका मुख्य कारण बैंक के फिक्स्ड-इनकम ट्रेडिंग कारोबार का कमजोर प्रदर्शन रहा। इस छंटनी और कमजोर ट्रेडिंग प्रदर्शन को लेकर बार्कलेज के एक वें रिष्ठ अे धिकारी ने निराशा व्यक्त की है। उन्होंने फिक्स्ड-इनकम ट्रेडिंग को बैंक की पारंपरिक ताकतों में से एक बताते हुए कहा कि इस पर</p> |



उनका पूरा ध्यान रहेगा। इस खबर का असर बैंक के शेयर बाजार प्रदर्शन पर भी दिखा है। इस साल बार्कलेज के शेयरों में 14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जो पिछले कई सालों की तेजी के बाद आया है। ऊंची ब्याज दरों से बड़े मुनाफे के बावजूद, एआई

आधारित लागत कटौती की रणनीति और कुछ क्षेत्रों में कमजोर प्रदर्शन ने निवेशकों की चिंताओं को बढ़ा दिया है। यह घटना दर्शाती है कि एआई का प्रभाव अब केवल तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रोजगार के परिदृश्य को व्यापक रूप से बदल रहा है।

| ईपीएम के तहत एमएसएमई के महंगे प्रमाणन का खर्च उठाएगी सरकार गोयल बर्लिन ।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p>वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि सरकार निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) के तहत सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसएमई) के महंगे प्रमाणन का पूरा खर्च उठाने को तैयार है। उन्होंने मौजूदा और नए निर्यातकों से वैश्विक बाजारों तक पहुंच बनाने में सहायता के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय से संपर्क करने का आग्रह किया। पिछले साल नवंबर में 25,060 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ मंजूर किए गए इस छह वर्षीय मिशन का उद्देश्य भारतीय निर्यात को बढ़ावा देना है।</p> <p>मंत्री ने स्पष्ट किया कि दुनिया में कहीं भी निर्यात करने की इच्छा रखने वाले हर व्यक्ति की सरकार मदद करेगी। एमएसएमई के लिए प्रमाणन का पूरा खर्च सरकार वहन करेगी, जबकि अन्य महंगी प्रक्रियाओं का खर्च भी उठाने को तैयार है। गोयल ने विशेष रूप से बताया कि यूरोपीय संघ के कार्बन सीमा समायोजन तंत्र और वनोन्मूलन विनियमन जैसे कड़े नियमों का अनुपालन करने की लागत एमएसएमई के लिए सरकार उठाएगी। अन्य व्यवसायों को उनकी श्रेणी के अनुसार सहायता मिलेगी।</p> |

# इंडियन बैंक की स्पेशल एफडी पर मिलेगा शानदार रिटर्न, जानिए नई दरें

555 और 777 दिन की इंड ग्रे व इंड प्रॉस्पर स्कीमों पर 0.15 फीसदी की बढ़ोतरी

|             |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
|-------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| नई दिल्ली । | <p>सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने अपनी दो विशेष एफडी योजनाओं पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह वृद्धि 0.15 प्रतिशत की है, जो 23 अक्टूबर से प्रभावी होगी, जिससे निवेशकों को अब इन आकर्षक स्कीमों पर बेहतर रिटर्न मिलेगा। इंडियन बैंक ने अपनी दो लोकप्रिय स्पेशल एफडी स्कीमों- इंड ग्रे और इंड प्रॉस्पर- पर ब्याज दरों में 15 बेसिस पॉइंट (0.15 फीसदी) की वृद्धि की है। यह बढ़ोतरी 23 अक्टूबर से लागू हो गई है। बैंक ने हालांकि, अपनी सभी एफडी की ब्याज दरों में बदलाव नहीं किया है, बल्कि यह लाभ विशेष रूप से इन दो चुनिंदा योजनाओं पर केंद्रित है। इस बदलाव के बाद 555 दिन की इंड ग्रे स्कीम पर मिलने वाली पुरानी 6.65 फीसदी की ब्याज दर अब बढ़कर 6.80व हो गई है। इसी तरह, 777 दिन की इंड</p>                                                              |
| नई दिल्ली । | <p>प्राँस्पर स्कीम पर पहले मिल रही 6.60व की ब्याज दर अब 6.75 फीसदी हो गई है। यह उन ग्राहकों के लिए एक आकर्षक अवसर है जो मध्यम अवधि के लिए सुरक्षित और बेहतर रिटर्न देने वाले निवेश की तलाश में हैं। ब्याज दर में 0.15 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी का सीधा मतलब है कि अगर आप इन स्कीमों में 1 लाख रुपये जमा करते हैं, तो सालाना आधार पर आपको लगभग 150 रुपये का अतिरिक्त ब्याज मिल सकता है। हालांकि, निवेशकों को यह ध्यान रखना चाहिए कि वास्तविक रिटर्न एफडी की अवधि, ब्याज के चक्रवृद्धि (कंपाउंडिंग) और बैंक के नियमों पर निर्भर करेगा। इसलिए, एफडी कराने से पहले मैच्योरिटी पर मिलने वाली कुल रकम की जानकारी अवश्य लेनी चाहिए। इंडियन बैंक का यह कदम भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अक्टूबर की मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी के बाद आया है।</p> |

# अहमदाबाद में सीएनजी महंगी, अडानी गैस ने 4.45 रुपए बढ़ाई कीमत

नई कीमत 98.47 रुपए प्रति किलो, ऑटो-रिक्शा चालक नाराज

|             |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
|-------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| नई दिल्ली । | <p>दीवाली से ठीक पहले अहमदाबाद के लाखों ड्राइवरों और आम जनता को महंगाई का एक और बड़ा झटका लगा है। अडानी गैस ने कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमत में 4.45 रुपये प्रति किलोग्राम की अचानक बढ़ोतरी कर दी है। इस वृद्धि के बाद अहमदाबाद में अडानी सीएनजी की नई कीमत बढ़कर 98.47 रुपये प्रति किलो हो गई है, जिससे त्योहारों के इस मौसम में लोगों का बजट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। अहमदाबाद में दीवाली जैसे बड़े त्योहार से ठीक पहले अडानी गैस द्वारा सीएनजी की कीमतों में की गई यह वृद्धि रिक्शा चालकों और रोज की कमाई पर निर्भर रहने वाले वाहन चालकों को जेब पर सीधा असर डालेगी। त्योहारों के दिनों में खरीदारी और घूमने-फिरने की योजना बना रहे आम लोगों को भी बढ़ोतरी के बाद आया है।</p> |
| नई दिल्ली । | <p>अब अपनी जेब और ढीली करनी पड़ेगी। यह इस साल की दूसरी बड़ी बढ़ोतरी है। इससे पहले अगस्त 2023 में भी कंपनी ने सीएनजी की कीमत में 4 रुपये प्रति किलो की वृद्धि की थी, जिससे उस समय दाम 94.20 रुपये तक पहुंच गए थे। लगातार बढ़ती कीमतों से खासकर ऑटो-रिक्शा चालकों में भारी नाराजगी और गुस्सा देखा जा रहा है। उनका तर्क है कि गैस की कीमत लगातार बढ़ रही है, लेकिन ट्रांसपोर्ट कमिशन इसके मुकाबले रिक्शा किराए पर पर्याप्त बढ़ोतरी को मंजूरी नहीं दे रहे हैं। पहले भी किराया बढ़ोतरी और ऑनलाइन कैब/रिक्शा एप्लीकेशन के विरोध में रिक्शा चालकों ने हड़ताल की थी। दीवाली के समय हुई इस नई कीमत बढ़ोतरी से रिक्शा चालकों समेत आम वाहन चालकों का घरेलू बजट बुरी तरह प्रभावित हुआ है।</p>          |

सिलिकॉन वैली स्क्वैश

## अनाहत सिंह ने सेमीफाइनल में जगह बनाई



**रेडवुड सिटी** । दुनिया की 15वें नंबर की खिलाड़ी भारत की अनाहत सिंह ने मिश्र की छठी सीड सलमा हैनी पर पांच गेम की रोमांचक जीत के साथ सिलिकॉन वैली ओपन स्क्वैश के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अनाहत ने पहली बार अपने पीएसए गोल्ड-लेवल सेमीफाइनल में जगह बनाई है। दुनिया की नंबर 3 और आठ बार की वर्ल्ड चैंपियन मिश्र की नूर एलशेरबिनी को सीधे गेम में हराने के एक

दिन बाद, 18 साल की भारतीय खिलाड़ी ने क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नंबर 14 हैनी को 42 मिनट तक चले मुकाबले में 4-11, 11-8, 4-11, 11-2, 11-5 से हराया। अनाहत मुकाबले में 2-1 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 11-2, 11-5 से जीत हासिल की और अपने करियर में पहली बार गोल्ड सेमीफाइनल में जगह बनाई।

2-1 से पीछे होने के बाद वापसी करते

हुए जीत हासिल करने के बाद अनाहत ने हैनी के बारे में कहा, 'मैंने उनके खिलाफ पहले कभी नहीं खेला था। मुझे नहीं पता था कि कोर्ट पर आकर क्या करना है। मैंने उन्हें कई बार खेलते हुए देखा है। वह पीएसए टूर में बहुत अनुभवी हैं।'

अनाहत ने कहा, 'एलशेरबिनी के खिलाफ जीत के बाद, मुझे पता है कि अगर मैं अच्छा खेल रही हूँ तो मेरे पास जिससे भी खेलूंगी, उसके खिलाफ मौका है। मैं इसी सोच के साथ उतरना चाहती थी।' स्टार भारतीय खिलाड़ी ने कहा, 'गुरुवार की जीत के बाद इमोशन की वजह से मैं मैच में थोड़ी थकी हुई थी। मैं

आज मोमेंटम नहीं खोना चाहती थी, मैं अपना शत-प्रतिशत देना चाहती थी। टूर्नामेंट में एक कदम आगे बढ़कर मैं खुश हूँ।' अनाहत सिंह का अगला मुकाबला दुनिया की नंबर चार और मौजूदा एशियन गेम्स चैंपियन मलेशिया की शिवसांगरी सुब्रमण्यम से होगा। अनाहत को एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में शिवसांगरी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

अनाहत का साल 2026 में सफर शानदार रहा है। इस साल की शुरुआत में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप जीतने के बाद एशियन गेम्स स्क्वैश सिंगल्स फाइनल में जगह बनाई थी।

## ऋद्धिमान साहा: तेज गेंदबाज के तौर पर शुरू हुआ था टीम इंडिया के बेहतरीन विकेटकीपर का सफर

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व में बढ़ी। इसके बाद उन्होंने एक विकेटकीपर विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा का करियर बल्लेबाज के तौर पर अपनी पहचान बनाने के संघर्ष और सफलता का एक शानदार उदाहरण है। एक बेहतरीन विकेटकीपर के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले साहा ने अपने रोमांचक करियर की शुरुआत एक तेज गेंदबाज के रूप में की थी। ऋद्धिमान साहा का जन्म 24 अक्टूबर, 1984 को शक्तिगढ़, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल में हुआ था। बंगाल भारतीय क्रिकेट का गढ़ है और इसका असर साहा पर भी पड़ा। साहा ने क्रिकेट के क्षेत्र में अपना करियर बनाने का फैसला किया था। शुरुआती दिनों में साहा एक तेज गेंदबाज के रूप में खेला करते थे, लेकिन समय के साथ उनकी दिलचस्पी विकेटकीपिंग



में बढ़ी। इसके बाद उन्होंने एक विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर अपनी पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत शुरू की। 2007 में बंगाल के लिए प्रथम श्रेणी और लिस्ट ए में डेब्यू करने वाले साहा को अच्छे प्रदर्शन के बावजूद भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। इसकी वजह महेंद्र सिंह धोनी थे, जो भारतीय कप्तान होने के साथ ही तीनों फॉर्मेट में स्थापित विकेटकीपर बल्लेबाज थे।

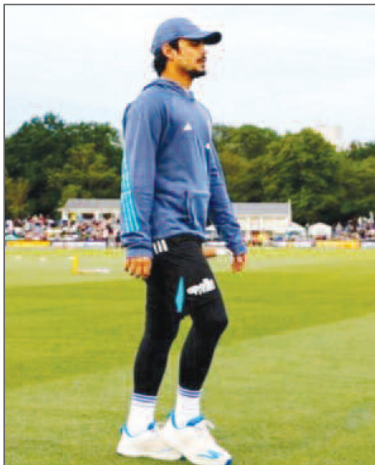
2010 में भारतीय टीम के लिए टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में डेब्यू करने वाले साहा की टेस्ट टीम में नियमित जगह दिसंबर 2014 में धोनी के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद बनी।

एशियन पैरा गेम्स: बैडमिंटन, आर्चरी, जैवलिन में आए गोल्ड और सिल्वर से पदकों का शतक पूरा

# पांचवें दिन की धमाकेदार शुरुआत

### ईशानकिशनन्यूजीलैंडके खिलाफ दूसरे टी20 से बाहर, BCCI ने दी जानकारी

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार को क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले टी20 में लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम को दूसरे टी20 से पहले बड़ा झटका लगा है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन चोट की वजह से दूसरे टी20 में नहीं खेलेंगे। ईशान किशन के दूसरे टी20 में नहीं



खेलने की जानकारी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने सोशल मीडिया पेज के माध्यम से दी है। बीसीसीआई ने शुक्रवार की सुबह अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, 'ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 से लो-ग्रेड राइट एंडिक्चर स्ट्रेन की वजह से बाहर हो गए हैं। उन्हें सीरीज के पहले टी20 मैच के दौरान चोट लगी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ईशान पर नजर रख रही है।' ईशान किशन का दूसरे टी20 से बाहर होना टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका है। भारतीय टीम ने पहले टी20 में 226 के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया था। ईशान बेशक पहले टी20 में बड़ी पारी नहीं खेल पाए थे और 3 गेंदों पर 1 रन बनाकर आउट हो गए थे। लेकिन वो जिस क्षमता के बल्लेबाज हैं, उस क्षमता की टीम इंडिया को इस सीरीज में जरूरत पड़ने वाली है। भारतीय टीम उम्मीद करेगी कि ईशान 27 अक्टूबर को खेलें जाने वाले तीसरे टी20 से पहले फिट हो जाए।

### भारतीय महिला टीम की बल्लेबाज सब्बीनेनी मेघना ने संन्यास लिया

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज रही सब्बीनेनी मेघना ने शुक्रवार को क्रिकेट को अलविदा कह दिया। उन्होंने सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। मेघना 2022 में कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रही थीं। मेघना ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'वर्ल्ड स्टेज पर जर्सी पहनने के लिए हाथ में बल्ला



लेकर पहली बार मैदान पर उतरना किसी सपने के सच होने से कम नहीं है। मैं एक खिलाड़ी के तौर पर क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा करती हूँ। मेरा दिल शुक्रगुजार है। मैदान मेरा दूसरा घर रहा है, जिसने मुझे हिम्मत दी, विनम्रता सिखाई और ऐसी यादें और दोस्ती दी, जिन्हें मैं ज़िंदगी भर संभालकर रखूंगी।' उन्होंने लिखा, 'मेरे परिवार को, जो हर मुश्किल समय में मेरे साथ खड़े रहे, आपके कभी न खत्म होने वाले त्याग के लिए धन्यवाद। मेरे कोच, टीममेट्स और सपोर्ट स्टाफ को, मुझे अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित करने और मेरे साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने के लिए धन्यवाद।'।

नागोया । जापान के आइची-नागोया में खेले जा रहे एशियन पैरा गेम्स 2026 के पांचवें दिन (शुक्रवार) की शुरुआत भारतीय दल के लिए शानदार रही है। भारतीय एथलीटों ने दिन की शुरुआत ही गोल्ड और सिल्वर मेडल से की है। पैरा आर्चरी विमेंस रिकर्व डबल्स गोल्ड मेडल मैच में भारत की भावना और पूजा को चीन की जोड़ी से हारकर सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

चीन ने शुरू से आखिर तक मुकाबला अपने नाम किया और हर तीर पर 9.33 के हाई-कैलिबर एवरेज के साथ सेट 38-31, 35-30 और 39-29 से अपने नाम किए, जबकि भारत का औसत 7.50 रहा।

थुलसिमथी मुरुगेसन ने बैडमिंटन के एसयू5 महिला एकल में सिल्वर मेडल जीता। उन्हें फाइनल में चीन की

किजुक्सिया यांग से 18-21, 11-21 से हार का सामना करना पड़ा।

प्रमोद ने पुरुषों की 1500 मीटर टी46 इवेंट में दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने 4:09.65 का समय निकालकर शानदार प्रदर्शन किया और सिल्वर मेडल जीता। प्रमोद ने हांगझोऊ पैरा एशियन गेम्स में भी सिल्वर मेडल जीता था।

हरविंदर सिंह और विजय सुंडी ने पैरा आर्चरी मेन्स रिकर्व टीम इवेंट में शानदार परफॉर्मेंस के साथ 2026 एशियन पैरा गेम्स में गोल्ड जीता। पहला सेट 35-35 से बराबरी के बाद भारतीय जोड़ी ने अगले दो सेट 37-36 और 38-36 से जीते और चीन पर 5-1 की जीत के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

धर्मराज सोलैराज ने भारत को दिलाया एक और गोल्ड मेडल

## लॉन्ग जंप में 7.15 मीटर की छलांग लगाकर बनाया नया रिकॉर्ड

नागोया। भारत के धर्मराज सोलैराज ने गुरुवार को जापान के आइची-नागोया में जारी एशियन पैरा गेम्स 2026 में पुरुषों की लॉन्ग जंप (लंबी कूद) में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उन्होंने 7.15 मीटर की रिकॉर्ड-तोड़ छलांग लगाकर गोल्ड पर कब्जा जमाया। नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में टी44/टी62/टी64 के संयुक्त फाइनल में हिस्सा लेते हुए तमिलनाडु के 32 वर्षीय एथलीट ने अपने दूसरे प्रयास में यह निर्णायक छलांग लगाई। इसके साथ ही उन्होंने एक नया एशियाई रिकॉर्ड बनाया और इस महाद्वीपीय मल्टी-स्पोर्ट इवेंट में लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल अपने नाम किया। यह प्रदर्शन हांगझोऊ एशियन पैरा गेम्स 2023 में गोल्ड मेडल जीतने के बाद से सोलैराज के करियर में एक और अहम उपलब्धि है। इसके साथ ही उन्होंने 7.08 मीटर का अपना पिछला एशियाई रिकॉर्ड भी बेहतर कर



लिया, जो उन्होंने नई दिल्ली में वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स 2025 चैंपियनशिप में बनाया था।

सोलैराज ने प्रतियोगिता की शुरुआत 6.88 मीटर की छलांग के साथ की और दूसरे राउंड में 7.15 मीटर की दूरी तय की। इसके बाद उन्होंने 6.82 मीटर और 6.85 मीटर की छलांग लगाई, जबकि उनके आखिरी दो प्रयास फाउल रहे। हालांकि, उनकी शुरुआती रिकॉर्ड-तोड़ छलांग ही खिताब जीतने के लिए काफी थी।

टी44 क्लासिफिकेशन में 6.34 मीटर की सर्वश्रेष्ठ दूरी तय करने वाले मलेशिया के एडी बर्नाई 740 रजा प्वाइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहे। जापान के युमा तामाकी ने टी64 कैटेगरी में 6.89 मीटर की अपनी अब तक की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई और 726 प्वाइंट्स के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

# श्रीलंका ने वनडे का दूसरा बड़ा लक्ष्य हासिल किया

इंग्लैंड को रोमांचक मैच में हराया; ब्रूक की पारी गई बेकार

**रावलपिंडी** । श्रीलंका ने बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन की मदद से त्रिकोणीय सीरीज के मुकाबले में इंग्लैंड को दो विकेट से हराया। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हैरी ब्रूक के दोहरे शतक की मदद से 50 ओवर में चार विकेट पर 429 रन बनाए। जवाब में पवन रत्नानायके, अविष्का फर्नांडो, दासुन शनाका और जनिथ लियांनगे की दमदार पारी से श्रीलंका ने 49.5 ओवर में आठ विकेट पर 430 रन बनाकर रोमांचक जीत दर्ज की। श्रीलंका ने इस तरह वनडे इतिहास का दूसरा बड़ा रन चेज किया।

श्रीलंका ने भारत को पीछे छोड़-श्रीलंका ने वनडे में सबसे बड़े रन चेज के मामले भारतीय टीम को पीछे छोड़ दिया है। भारत ने इसी साल वेस्टइंडीज के खिलाफ



### वनडे क्रिकेट के सबसे बड़े रन चेज

| लक्ष्य | स्कोर | टीम            | ऑनराम       | स्थान       | वर्ष |
|--------|-------|----------------|-------------|-------------|------|
| 435    | 438/9 | दक्षिण अफ्रीका | ऑस्ट्रेलिया | जोहानिसबर्ग | 2006 |
| 430    | 430/8 | श्रीलंका       | इंग्लैंड    | रावलपिंडी   | 2026 |
| 406    | 406/2 | भारत           | वेस्टइंडीज  | गुवाहाटी    | 2026 |
| 375    | 374/9 | नौदरलैंड       | वेस्टइंडीज  | हरारे       | 2023 |
| 372    | 372/6 | दक्षिण अफ्रीका | ऑस्ट्रेलिया | उरबन        | 2016 |

गुवाहाटी में खेले गए मुकाबले में 406 रनों का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया था जो वनडे का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज था। लेकिन श्रीलंका ने इस मामले में भारत को पीछे छोड़ा और 50 ओवर के प्रारूप का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज कर लिया।

### श्रीलंका की दमदार बल्लेबाजी

लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने कामिंदु मेंडिस और कुसल मेंडिस के विकेट जल्द गंवा दिए। इसके बाद अविष्का फर्नांडो और रत्नानायके के बीच तीसरे विकेट के लिए 166 रनों की साझेदारी हुई। फर्नांडो हालांकि, शतक पूरा करने से चूक गए और 97 रन बनाकर आउट हुए। फिर रत्नानायके ने दासुन शनाका के साथ पारी आगे बढ़ाई और चौथे विकेट के लिए 133 रन जोड़े। इन दोनों साझेदारी के दम पर श्रीलंका ने मैच में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

हैरी ब्रूक ने जड़ा वनडे इतिहास का सबसे तेज 'दोहरा शतक'

## सिर्फ 114 गेंदों में रचा इतिहास



**रावलपिंडी**। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने गुरुवार को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ वनडे ट्राई-सीरीज के तीसरे मुकाबले में दोहरा शतक जड़ा। ब्रूक ने 200 रनों का आंकड़ा महज 114 गेंदों में छुआ, जिसके साथ वह वनडे फॉर्मेट में सबसे तेज 'दोहरा शतक' लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस पारी के साथ ब्रूक वनडे पारी में 200 रन बनाने वाले इंग्लैंड के पहले बल्लेबाज भी बन गए हैं। ग्लेन मैक्सवेल के बाद, ब्रूक वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले दूसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जो ओपनर नहीं हैं। वनडे क्रिकेट में गेंदों के लिहाज से सबसे तेज दोहरा शतक जड़ने वाले खिलाड़ियों में शुभमन गिल दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने साल 2026 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 117 गेंदों में ऐसा किया था।

### 'हम अपनी गलती जानते हैं': हैरी ब्रूक

नई दिल्ली । पाकिस्तान में खेली जा रही वनडे त्रिकोणीय सीरीज में गुरुवार को खेले गए एक हाईस्कोरिंग मैच में इंग्लैंड को श्रीलंका के खिलाफ एक बड़ी और ऐतिहासिक हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा कि हमें अपनी गलती पता है। हार के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान हैरी ब्रूक ने कहा, 'यह एक शानदार क्रिकेट मैच था। मुझे लगा कि दोनों टीमों में बहुत बढ़िया थी। बदकिस्मती से, श्रीलंका ने हमें हरा दिया। हम गेंद से ठीक से खेल नहीं पाए और उनकी ताकत के हिस्सेब से थोड़ा खेले, और फिर उन्होंने 400 रन बनाकर जबरदस्त क्रिकेट खेला।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि 20 साल में पहली बार यह एक जबरदस्त उपलब्धि है। अब हारने वाली टीम का कोई मतलब नहीं है। हमें ड्रॉइंग बोर्ड पर वापस जाना होगा।



## नाना ने 5 साल तक नहीं की थी पिता जी से बात: सलमान खान

हाल ही में बॉलीवुड के दबंग भाईजान सलमान खान ने खुलासा किया कि उनके नाना उनकी माँ और डेड की शादी के सख्त खिलाफ थे और उन्होंने पापा सलीम खान से पूरे पाँच साल तक बात तक नहीं की थी। सलमान ने यह चौकाने वाला किस्सा किसी और जगह नहीं, बल्कि बिग बॉस 20 के मंच पर वीकेंड के वार के दौरान सबके सामने रखा। इतना ही नहीं, एक्टर ने अपने माता-पिता की लड़ाई को लेकर भी हैरान करने वाला खुलासा किया, जब सलमान की माँ, सलमा खान, सलीम खान संग बहस करके गुर्रसे में घर छोड़कर अपने मायके चली गई थीं। बिग बॉस 20 के स्टेज पर कंटेस्टेंट्स से बात करते हुए सलमान खान ने अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़ा यह पुराना और दिलचस्प राज खोला। उन्होंने बताया कि जब उनके माता-पिता की शादी हुई थी, तब किसी धर्म को लेकर कोई दिक्कत नहीं थी, बल्कि असली वजह कुछ और ही थी। सलमान ने बताया कि उनके नाना इस बात से नाराज थे कि उनकी बेटी की शादी एक ऐसे गुड लुकिंग इंसान से हो रही है जो एक्टर बनना चाहता है और फिल्म इंडस्ट्री में हाथ आजमा रहा है। नाना को इसी बात पर सबसे बड़ा एतराज था। सलमान ने आगे बात करते हुए बताया कि उनके नाना को हमेशा यही डर सताता रहता था कि उनकी बेटी इस फिल्मी माहौल में अपना जीवन कैसे बिताएगी। इसी नाराजगी के चलते उन्होंने सलीम खान से पाँच साल तक दूरी बनाए रखी और बातचीत बंद कर दी थी। एक्टर ने यह भी साझा किया कि जब उनके छोटे भाई सोहेल खान का जन्म हुआ, तब उनके नाना माहिम से बांदा आए थे। वह अपने साथ जलेबी का डिब्बा लेकर आए थे और उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया था कि उनसे बहुत बड़ी भूल हो गई कि उन्होंने अपने नाती-नातिन को बचपन में बड़े होते हुए नहीं देखा। वहीं, सलमान ने ये भी बताया कि एक बार जब डेड और माँ की एक लड़ाई हुई तो माँ गुर्रसे में मायके चली गईं, लेकिन उनके नाना ने फिर उनकी माँ को कहा कि वह जब चाहें घर आ सकती हैं, लेकिन लड़ाई के बाद कभी नहीं। सलमान ने अपने नाना के शब्दों को दोहराते हुए कहा, उन्होंने कहा कि तुम कभी भी घर आ सकती हो, लेकिन झगड़ा करके तुम नहीं आओगी। यह एक ऐसी सीख थी जो सलमा खान के जीवन में हमेशा रही। सलीम खान और सलमा की प्रेम कहानी भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। दोनों के प्यार की शुरुआत बालकनी से एक-दूसरे को देखने से हुई थी। सलीम खान ने खुद एक बार बताया था कि वे शाम और रात के वक्त लाइन में खड़े होकर एक-दूसरे से मिल लिया करते थे। जब सलमा के घर वालों को इस बात की भनक लगी, तो उन पर काफी दबाव बढ़ने लगा। इसके बाद दोनों ने कड़ा कदम उठाते हुए शादी करने का फैसला किया। सलीम खान की जिंदगी में एक नया मोड़ तब आया जब उनकी मुलाकात हेलेन से हुई। सलीम और हेलेन साल 1963 में एक फिल्म के सेट पर मिले थे, जहां से दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई। इसके बाद सलीम और हेलेन ने साल 1980 में शादी कर ली। हालांकि सलीम खान पहले से शादीशुदा थे और उनके चार बच्चे थे, लेकिन इसके बावजूद पूरे परिवार ने हेलेन को खुले दिल से अपनाया।



# मैं हर किसी के लिए उपलब्ध नहीं हूँ: माही विज

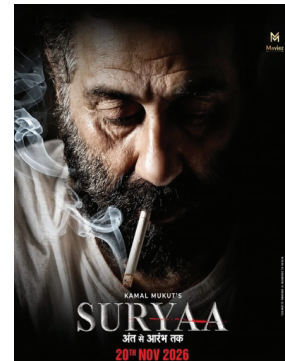
हाल ही में बिग बॉस-20 में अभिनेत्री माही विज से साथी प्रतियोगी काजी तौकीर ने उनकी प्रेम कहानी के बारे में मजाकिया अंदाज में सवाल पूछा, जिस पर माही विज शर्मा गईं। तौकीर ने पूछा कि क्या कोई भी व्यक्ति उनसे संपर्क कर सकता है। इस सवाल के जवाब में माही ने कहा, नहीं, कोई मुझसे संपर्क नहीं कर सकता। मैं सबके लिए उपलब्ध नहीं हूँ।

उनके इस जवाब ने चर्चा को और हवा दी, खासकर ऐसे समय में जब उनके निजी जीवन को लेकर अटकलें तेज हैं। इसके बाद काजी ने माही से और जानकारी लेने की कोशिश की, यह जताते हुए कि शायद वह कुछ चुनिंदा लोगों में ही दिलचस्पी रखती हों। उन्होंने माही को विद्वाने हुए पूछा कि क्या वह तीन-चार लोगों में से किसी को चुनेंगी या कोई उसे सीधे शादी का प्रस्ताव दे सकता है। काजी के लगातार मजाक उड़ाने पर माही मुस्कुराती और शर्माती नजर आई, लेकिन अपनी बात पर कायम रही। उन्होंने यह भी सवाल किया कि उनके पास कितने विकल्प हैं, यह इशारा करते हुए कि माही की प्रतिक्रिया से शायद यह पता चलता है कि उनकी जिंदगी में कोई खास है या उन्हें कई लोगों का ध्यान

मिल रहा है, हालांकि माही ने किसी में दिलचस्पी होने की बात स्वीकार नहीं की। उस समय उदित भी उनके आसपास ही थीं, जिन्होंने टिप्पणी की कि शायद माही का कोई खास इंसान यह शो देख रहा होगा। यह हल्की-फुल्की बातचीत जनवरी 2026 में माही और टेलीविजन अभिनेता जय भानुशाली द्वारा अपने 14 साल के वैवाहिक जीवन के अंत की घोषणा के कुछ महीनों बाद हुई है। पूर्व दंपति की एक बेटी तारा है और वे अपने गोद लिए बच्चों खुशी और राजवीर की परवरिश भी कर रहे हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब उनके प्रशंसकों को उनके निजी जीवन को लेकर उत्सुकता है और वे उनके अगले कदम का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच, जय भानुशाली ने हाल ही में बताया कि बिग बॉस 20 में माही विज को भागीदारी ने उन्हें अपनी बेटी तारा के साथ अधिक समय बिताने का अवसर दिया है। इंस्टाग्राम पर अपने प्रशंसकों से बातचीत के दौरान जय ने बताया कि माही की अनुपस्थिति में तारा के साथ अधिक समय बिताने से उनका और तारा के साथ रिश्ता और मजबूत हो गया है। उन्होंने यह भी बताया कि वह माही को रियलिटी शो में जारी रखना चाहते थे।

## सूर्या: का दमदार टीज़र रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल के जन्मदिन पर उनकी आगामी फिल्म 'सूर्या'-अंत से आरंभ तक' का दमदार टीज़र रिलीज कर दिया गया है। एम. पद्मकुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सनी देओल एक बिल्कुल अलग और गंभीर अंदाज में नजर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी एक ऐसे शख्स के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने अतीत के दर्द से जुझते हुए मेडिकल सिस्टम के भीतर छिपी एक बड़ी साजिश का पर्दाफाश करने निकलता है। काइड थ्रिलर से भरपूर टीज़र में भावनात्मक उतार-चढ़ाव, जांच-पड़ताल, रहस्य और एक्शन की झलक देखने को मिलती है। 19 अक्टूबर को सनी देओल के जन्मदिन के मौके पर फिल्म के निर्माताओं ने इसका टीज़र जारी किया। इससे पहले फिल्म के मोशन पोस्टर को दर्शकों और अभिनेता के प्रशंसकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। पोस्टर में सनी देओल का रफ एंड टफ लुक, चेहरे पर उग्र का असर और उनकी गंभीर नजरें चर्चा में रही थीं। अब टीज़र ने फिल्म की कहानी को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है। टीज़र से संकेत मिलता है कि 'सूर्या' की कहानी केवल एक व्यक्ति के संघर्ष तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके तार एक ऐसे सिस्टम से जुड़े हैं।



# कबूतर में मुख्य भूमिका निभाएंगे नवाजुद्दीन सिद्दीकी

बॉलीवुड के लेखक-निर्देशक इशान शर्मा की पहली फीचर फिल्म कबूतर में बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। इस अनोखी फिल्म की मुख्य शूटिंग 2027 की शुरुआत में दिल्ली में शुरू होने वाली है, जो पुरानी दिल्ली की जर्जर होती इमारतों और वहां की अन्तरी दुनिया की पुष्टभूमि पर आधारित होगी। कबूतर का निर्माण निखिल चौधरी की कंपनी एमडीसी फिल्मवर्क्स कर रही है। यह भारत, फ्रांस और नॉर्वे के बीच एक महत्वाकांक्षी अंतरराष्ट्रीय सह-निर्माण है, जिसमें भारत की एमडीसी फिल्मवर्क्स, फ्रांस की हायकू फिल्मस और नॉर्वे की रैन फिल्म शामिल हैं। भारतीय पक्ष से रोहित सक्सेना सह-निर्माता की भूमिका निभा रहे हैं। कबूतर की कहानी महबूब नाम के एक सड़कछाप जासूस के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी ज़िंदगी में अनोखे तरीके से काम करता है। महबूब गुप्त रूप से ज़िन्न के नाम लिखे गए खत पढ़ता है, ताकि संभावित ग्राहक तलाश सके। इसी दौरान उसकी मुलाकात नाओको से होती है, जो जापान से आई एक पर्यटक है और अपने अतीत के दर्द से जुड़ा रही है। कहानी में रूबी नाम का एक छोटा बच्चा भी है, जो अपने माता-पिता की तलाश में है। फिल्म में अनोखेपन, भावनात्मक गहराई और मानवीय अनुभवों के विरोधाभासों को एक अलग अंदाज में पेश किए जाने की उम्मीद है, और इस फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपने अभिनय का एक बिल्कुल नया पहलू दिखाते नजर आएंगे।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी को फिल्म में मुख्य भूमिका के लिए चुने जाने पर निर्माता निखिल चौधरी ने कहा, नवाज असाधारण अभिनय क्षमता वाले कलाकार हैं। वह गैंग्स ऑफ वासेपुर में खतरनाक नजर आ सकते हैं, तो द लंचबॉक्स में उनका अभिनय दिल को छू लेने वाला और बेहद कोमल हो सकता है। वह उन चुनिंदा भारतीय अभिनेताओं में से हैं, जिनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मजबूत पहचान है। उनकी फिल्में कई बार कान फिल्म महोत्सव तक पहुंची हैं और उन्हें इंटरनेशनल एमी के लिए भी नामांकित किया गया है। भारत-फ्रांस-नॉर्वे के सह-निर्माण वाली फिल्म कबूतर को दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंचाने के लिहाज से यह बेहद अहम है। उन्होंने आगे कहा, इसके अलावा, नवाज दिल्ली को गहराई से जानते हैं। इशान और मेरे लिए यह फिल्म इस शहर के प्रति प्रेम-पत्र की तरह है। हमें ऐसे अभिनेता की जरूरत थी, जो दिल्ली को समझ सके, उसे महसूस कर सकें और अपने अभिनय में जीवंत कर सकें। नवाज ये तीनों खूबियां रखते हैं। पिछले कई वर्षों में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने भारतीय सिनेमा के सबसे विशिष्ट अभिनेताओं में अपनी जगह बनाई है। जटिल, असाधारण और गहराई से मानवीय किरदारों को सहजता से निभाने की उनकी क्षमता ने उन्हें खास पहचान दिलाई है। उनकी चर्चित फिल्मों में अनुराग कश्यप की गैंग्स ऑफ वासेपुर, रितेश बत्रा की द लंचबॉक्स और नंदिता दास की मंटो शामिल हैं।



## उड़ता तीर मूवी रिव्यू : आयुष्मान खुराना की कॉमेडी और कन्प्यूजन से भरपूर फिल्म, हंसते-हंसते हो जाएंगे लोटपोट

कल्पना कीजिए कि पाकिस्तान का एक खुफिया एजेंट भारत में एक हादसे का शिकार हो जाता है और अपनी याददाश्त खो बैठता है। होश में आने पर उसे लगता है कि वह भारत का काउंटर-इंटेलेजेंस ऑफिसर है। बस, इसी गड़बड़ से शुरू होता है फिल्म 'उड़ता तीर' का मजेदार सफर, जहां गलतफहमियां, उलझनें और हास्यास्पद हालात एक के बाद एक सामने आते हैं। आकाश ए. कोशिक के निर्देशन और लेखन में बनी यह फिल्म अपनी मजेदार कहानी, चुटीले डायलॉग और शानदार कॉमिक टाइमिंग के दम पर दर्शकों को हंसाने की कोशिश करती है। फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक भी कई मौकों पर कॉमेडी का मजा बढ़ा देता है। 'उड़ता तीर' में जिस तरह की उलझनें दिखाई गई हैं, वे कई बार इतनी अजीब और मजेदार होती हैं कि हंसी अपने आप छूट जाती है। फिल्म के डायलॉग कहानी की जान हैं। कलाकारों की कॉमिक टाइमिंग और एक-दूसरे के साथ उनकी केमिस्ट्री सीन को मजेदार बनाती है। बैकग्राउंड म्यूजिक भी सही समय पर कॉमेडी के साथ मेल मिलाता है और कई सीन का असर बढ़ा देता है।



## अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने मनोज बाजपेयी के बयान का किया समर्थन - कहा - नकारात्मकता से हटकर सकारात्मक नजरिया अपनाने की जरूरत

बॉलीवुड की बहुमुखी प्रतिभा की धनी अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने हाल ही में अपने सह-कलाकार और वरिष्ठ अभिनेता मनोज बाजपेयी के उस बयान का पूर्ण समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि किसी भी व्यक्ति को केवल उसके पेशे के आधार पर आंकना सही नहीं है। दिव्या दत्ता का मानना है कि समाज में हर क्षेत्र और पेशे में अच्छे और बुरे दोनों तरह के लोग मौजूद होते हैं, इसलिए कुछ व्यक्तियों की गलतियों के कारण पूरे विभाग या संस्था को कटघरे में खड़ा करना न्यायसंगत नहीं है। उनका यह बयान फिल्म उद्योग और आम जनता के बीच एक नई चर्चा को जन्म दे रहा है। हाल के दिनों में मुंबई में अभिनेता टाइगर श्रॉफ के आवास के बाहर हुई गोलीबारी की घटना और दिल्ली-

मुंबई में पुलिस प्रशासन की आलोचना के संदर्भ में मनोज बाजपेयी ने निष्पक्ष दृष्टिकोण रखने की बात कही थी। उसी मुद्दे पर आगे बढ़ते हुए दिव्या दत्ता ने कहा कि मनुष्य का स्वभाव अक्सर ऐसा होता है कि वह अच्छी और सकारात्मक बातों को नजरअंदाज कर देता है और नकारात्मक चीजों की ओर बहुत तेजी से आकर्षित होता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक हम किसी व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से नहीं जान लेते, तब तक केवल उसकी वर्दी या उसके पेशे को देखकर उसके चरित्र का फैसला करना अनुचित है। दिव्या दत्ता ने इस बात पर चिंता जताई कि आजकल लोग सकारात्मक पहलुओं को पीछे छोड़कर नकारात्मक खबरों को जल्दी पकड़ लेते हैं। उन्होंने

कहा कि पुलिस हो या कोई अन्य पेशा, उसमें कई ऐसे लोग होते हैं जो अपने कर्तव्य का पालन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करते हैं। ऐसे में कुछ काली भेड़ों की वजह से पूरे तंत्र पर सवाल उठाना उन लोगों के मनोबल को तोड़ता है जो दिन-रात निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा में लगे हुए हैं। इसलिए समाज को अपना नजरिया बदलने की सख्त जरूरत है। काम की बात करें तो दिव्या दत्ता और मनोज बाजपेयी के साथ फिल्म गजब रात में अभिनय करते नजर आईं। इस फिल्म को लेकर पहले काफी विवाद हुआ था और इसका शुरुआती शीर्षक घूसखोर पंडित रखा गया था, जिसे बाद में जनभावनाओं का सम्मान करते हुए बदलकर गजब रात कर दिया गया। रितेश शाह के निर्देशन में बनी और प्रसिद्ध निर्माता नीरज



पांडे की कंपनी फाइव स्टोरीटेलर्स द्वारा निर्मित यह फिल्म चर्चा का विषय बनी हुई है।



**भारत में गेहूँ एक मुख्य फसल है। गेहूँ का लगभग 97% क्षेत्र सिंचित है। गेहूँ का प्रयोग मनुष्य अपने जीवनयापन हेतु मुख्यतः रोटी के रूप में प्रयोग करते हैं, जिसमें प्रोटीन प्रचुर मात्रा में पायी जाती है। भारत में पंजाब, हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश मुख्य फसल उत्पादक क्षेत्र हैं।**

#### गेहूँ की फसल में कीट और उनका नियंत्रण

गेहूँ की फसल में शुरू में दीमक कीट बहुत ही नुकसान पहुंचता है इसकी रोकथाम के लिए दीमक प्रकोपित क्षेत्र में नीम की खली 10 कुंतल प्रति हेक्टर की दर से खेत की तैयारी के समय प्रयोग करना चाहिए तथा पूर्व में बोई गई फसल के अवशेष को नष्ट करना अति आवश्यक है, इसके साथ ही माहू भी गेहूँ की फसल में लगती है, ये पतियों तथा बालियों का रस चूसते हैं, ये पंखहीन तथा पंखयुक्त हरे रंग के होते हैं, सैनिक कीट भी लगता है पूर्ण विकसित सुंडी लगभग 40 मि0मी0 लम्बी बादामी रंग की होती है। यह पतियों को खाकर हानि पहुंचाती है, इसके साथ साथ गुलाबी तना बंधक कीट लगता है ये अण्डो से निकलने वाली सुंडी भूरे गुलाबी रंग की लगभग 5 मिली मीटर की लम्बी होती है, इसके काटने से फल की वानस्पतिक बढ़वार रुक जाती है, इन सभी कीट की रोकथाम के लिए कीटनाशी जैसे क्यूनालफास 25 ई सी की 1.5-2.0 लीटर मात्रा 700-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टर की दर से छिड़काव करना चाहिए, या सेपरमेथ्रिन 750 मि0ली0 या फेवेलरेट 1 लीटर 700-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए। कीटों के साथ साथ चूहे भी लगते हैं, ये खड़ी फसल में नुकसान पहुंचाते हैं, चूहों के लिए जिंक फास्फाइड या बेरियम कार्बोनेट के बने जहरीले चारे का प्रयोग करना चाहिए, इसमें जहरीला चारा बनाने के लिए 1 भाग दवा 1 भाग सरसों का तेल तथा 48 भाग दाना मिलाकर बनाया जाता है जो कि खेत में रखकर प्रयोग करते हैं।

#### कटाई

फसल पकते ही बिना प्रतीक्षा किये हुए कटाई

#### प्रमुख प्रजातियाँ

गेहूँ की प्रजातियों का चुनाव भूमि एवं साधनों की दशा एवं स्थित के अनुसार किया जाता है, मुख्यतः तीन प्रकार की प्रजातियां होती है सिंचित दशा वाली, असिंचित दशा वाली एवं उसरीली भूमि की, आसिंचित दशा वाली प्रजातियाँ निम्न हैं-

#### असिंचित दशा

इसमें मगहर के 8027, इंद्रा के 8962, गोमती के 9465, के 9644, मन्दाकिनी के 9251, एवं एच डी आर 77 आदि हैं।

#### सिंचित दशा

सिंचित दशा वाली प्रजातियाँ सिंचित दशा में दो प्रकार की प्रजातियाँ पायी जाती हैं, एक तो समय से बुवाई के लिए-

इसमें देवा के 9107, एच पी 1731, राजशय लक्ष्मी, नरेन्द्र गेहूँ 1012, उजियार के 9006, डी एल 784-3, (वैशाली) भी कहते हैं, एचयूडब्ल्यू 468, एचयूडब्ल्यू 510, एच डी 2888, एच डी 2967, यूपी 2382, पी बी डब्ल्यू 443, पी बी डब्ल्यू 343, एच डी 2824 आदि हैं। देर से बुवाई के लिए त्रिवेणी के 8020, सोनाली एच पी 1633 एच डी 2643, गंगा, डी वी डब्ल्यू 14, के 9162, के 9533, एचपी 1744, नरेन्द्र गेहूँ 1014, नरेन्द्र गेहूँ 2036, नरेन्द्र गेहूँ 1076, यूपी 2425, के 9423, के 9903, एच डब्ल्यू 2045, पी बी डब्ल्यू 373, पी बी डब्ल्यू 16 आदि हैं।

#### उसरीली भूमि के लिए-

के आर एल 1-4, के आर एल 19, लोक 1, प्रसाद के 8434, एन डब्ल्यू 1067, आदि हैं, उपर्युक्त प्रजातियाँ अपने खेत एवं दशा को समझकर चयन करना चाहिए।

#### जलवायु एवं भूमि की आवश्यकता

गेहूँ की खेती के लिए समशीतोष्ण जलवायु की आवश्यकता होती है, इसकी खेती के लिए अनुकूल तापमान बुवाई के समय 20-25 डिग्री सेंटीग्रेट उपयुक्त माना जाता है, गेहूँ की खेती मुख्यतः सिंचाई पर आधारित होती है गेहूँ की खेती के लिए दोमट भूमि सर्वोत्तम मानी जाती है, लेकिन इसकी खेती बलुई दोमट, भारी दोमट, मटियार तथा मार एवं कावर भूमि में की जा सकती है। साधनों की उपलब्धता के आधार पर हर तरह की भूमि में गेहूँ की खेती की जा सकती है।

#### बीजदर और बीज शोधन

गेहूँ की बीजदर लाइन से बुवाई करने पर 100 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टर तथा मोटा दाना 125 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टर तथा छिड़काव से बुवाई कि दशा से 125 कि0ग्रा0 सामान्य तथा मोटा दाना 150 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टर कि दर से प्रयोग करते हैं, बुवाई के पहले बीजशोधन अवश्य करना चाहिए बीजशोधन के लिए बाविस्टिन, कार्बेन्डाजिम कि 2 ग्राम मात्रा प्रति कि0ग्रा0 कि दर से बीज शोधित करके ही बीज की बुवाई करनी चाहिए।

#### बुवाई विधि

गेहूँ की बुवाई समय से एवं पर्याप्त नमी पर करनी चाहिए अन्यथा उपज में कमी हो जाती है। जैसे-जैसे बुवाई में बिलम्ब होता है वैसे-वैसे पैदावार में गिरावट आती जाती है, गेहूँ की बुवाई सीड्रिल से करनी चाहिए तथा गेहूँ की बुवाई हमेशा लाइन में करें। सयुक्त प्रजातियों की बुवाई अक्टूबर के प्रथम पक्ष से द्वितीय पक्ष तक उपयुक्त नमी में बुवाई करनी चाहिए, अब आता है सिंचित दशा इसमें की चार पानी देने वाली हैं समय से अर्थात् 15-25 नवम्बर, सिंचित दशा में ही तीन पानी वाली प्रजातियों के लिए 15 नवंबर से 10 दिसंबर तक उचित नमी में बुवाई करनी चाहिए और सिंचित दशा में जो देर से बुवाई करने वाली प्रजातियाँ हैं वो 15-25 दिसम्बर तक उचित नमी में बुवाई करनी चाहिए, उसरीली भूमि में जिन प्रजातियों की बुवाई की जाती है वे 15 अक्टूबर के आस पास उचित नमी में बुवाई अवश्य कर देना चाहिए, अब आता है किस विधि से बुवाई करें गेहूँ की बुवाई देशी हल के पीछे लाइनों में करनी चाहिए या फर्टीसीड्रिल से भूमि में उचित नमी पर करना लाभदायक है, पंतनगर सीड्रिल बीज व खाद सीड्रिल से बुवाई करना अत्यंत लाभदायक है।

#### गेहूँ की फसल में खरपतवार नियंत्रण

गेहूँ की फसल में रबी के सभी खरपतवार जैसे बथुआ, प्याजी, खरतुआ, हिरनखुरी, चटरी, मटरी, सैजी, अंकरा, कृष्णनील, गेहुंसा, तथा जंगली जई आदि खरपतवार लगते हैं। इनकी रोकथाम निराई गुड़ाई करके की जा सकती है, लेकिन कुछ रसायनों का प्रयोग करके रोकथाम किया जा सकता है जो की निम्न है जैसे की पेंडामेथेलिन 30 ई सी 3.3 लीटर की मात्रा 800-1000 लीटर पानी में मिलकर फ्लैटफैन नोजिल से प्रति हेक्टर की दर से छिड़काव बुवाई के बाद 1-2 दिन तक करना चाहिए। जिससे की जमाव खरपतवारों का न हो सके, चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों को नष्ट करने के लिए बुवाई के 30-35 दिन बाद एवं

#### खेत की तैयारी

गेहूँ की बुवाई अधिकतर धान की फसल के बाद ही की जाती है, पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा बाद में डिस्क हैरो या कल्टीवेटर से 2-3 जुताईयां करके खेत को समतल करते हुए भुरभुरा बना लेना चाहिए, डिस्क हैरो से धान के दूँठे कट कर छोटे छोटे टुकड़ों में हो जाते हैं-इन्हें शीघ्र सड़ाने के लिए 20-25 कि0ग्रा0 यूरिया प्रति हेक्टर कि दर से पहली जुताई में अवश्य दे देनी चाहिए। इससे दूँठे, जड़ें सड़ जाती हैं ट्रैक्टर चालित रोटावेटर से एक ही जुताई द्वारा खेत पूर्ण रूप से तलेयार हो जाता है।

#### उर्वरकों का प्रयोग

किसान भाइयों उर्वरकों का प्रयोग मुदा परीक्षण के आधार पर करना चाहिए, गेहूँ की अच्छी उपज के लिए खरीफ की फसल के बाद भूमि में 150 कि0ग्रा0 नत्रजन, 60 कि0ग्रा0 फास्फोरस, तथा 40 कि0ग्रा0 पोटाश प्रति हेक्टर तथा देर से बुवाई करने पर 80 कि0ग्रा0 नत्रजन, 60 कि0ग्रा0 फास्फोरस, तथा 40 कि0ग्रा0 पोटाश, अच्छी उपज के लिए 60 कुंतल प्रति हेक्टर सड़ी गोबर की खाद का प्रयोग करना चाहिए। गोबर की खाद एवं आधी नत्रजन की मात्रा तथा पोटाश की पूरी मात्रा खेत की तैयारी के समय आखिरी जुताई में या बुवाई के समय खाद का प्रयोग करना चाहिए, शेष नत्रजन की आधी मात्रा पहली सिंचाई पर तथा बची शेष मात्रा दूसरी सिंचाई पर प्रयोग करनी चाहिए।

पहली सिंचाई के एक सप्ताह बाद 24डी सोडियम साल्ट 80% डब्ल्यू पी. की मात्रा 625 ग्राम 600-800 लीटर पानी में मिलकर 35-40 दिन बाद बुवाई के फ्लैटफैन नोजिल से छिड़काव करना चाहिए। इसके बाद जहाँ पर चौड़ी एवं संकरी पत्ती दोनों ही खरपतवार हों वहाँ पर सल्फोसल्लफ्युरान 75% 32 म. एल. प्रति हेक्टर इसके साथ ही मेटासल्लफ्युरान मिथाइल 5 ग्राम डब्ल्यू जी. 40 ग्राम प्रति हेक्टर बुवाई के 30-35 दिन बाद छिड़काव करना चाहिए, इससे खरपतवार नहीं उगते हैं या उगते हैं तो नष्ट हो जाते हैं।

#### गेहूँ की फसल में रोग और उनका नियंत्रण

में हल्के भूरे रंग के हो जाते हैं-इनकी रोकथाम के लिए मैन्कोजेब 2 किग्रा0 प्रति हेक्टर की दर से या प्रापिकोनाजोल 25 % ई सी. की आधा लीटर मात्रा 1000 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए, इसमें गेरुई या रतुआ मुख्य रूप से लगता है, गेरुई भूरे पीले या काले रंग के, काली गेरुई पत्ती तथा तना दोनों में लगती है इसकी रोकथाम के लिए मैन्कोजेब 2 किग्रा0 या जिनेब 25% ई सी. आधा लीटर, 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टर छिड़काव करना चाहिए। यदि झुलसा, रतुआ, कर्नालबंट तीनों रोगों की संका हो तो प्रापिकोनाजोल का छिड़काव करना अति आवश्यक है।

करके तुरंत ही मड़ाई कर दाना निकाल लेना चाहिए, और भूसा व दाना यथा स्थान पर रखना चाहिए, अत्यधिक क्षेत्री वाली फसल कि कटाई कम्बाइन से करनी चाहिए इसमें कटाई व मड़ाई एक साथ ही जाती है जब कम्बाइन से कटाई कि जाती है।

#### भण्डारण

मौसम का बिना इंतजार किये हुए उपज को बखारी या बोरो में भर कर साफ सुथरे स्थान पर सुरक्षित कर सूखी नीम कि पत्ती का बिछावन डालकर करना चाहिए या रसायन का भी प्रयोग करना चाहिए।

#### उपज

असिंचित दशा में 35-40 कुंतल प्रति हेक्टर होती है, सिंचित दशा में समय से बुवाई करने पर 55-60 कुंतल प्रति हेक्टर पैदावार मिलती है, तथा सिंचित देर से बुवाई करने पर 40-45 कुंतल प्रति हेक्टर तथा उसरीली भूमि में 30-40 कुंतल प्रति हेक्टर पैदावार प्राप्त होती है।

सड़ी गोबर की खाद खेत तैयारी करते समय आखिरी जुताई में मिला देना चाहिएइसके साथ ही साथ 30 किलोग्राम नत्रजन, 15 किलोग्राम फास्फोरस तथा 25 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिएइस प्रकार तथा भूड भूमि में 15 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिएइस नत्रजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस,पोटाश एवम गंधक की पूरी मात्रा बुवाई के समय बेसल ड्रेसिंग में तथा नत्रजन की आधी मात्रा प्रथम निराई-गुड़ाई के समय खड़ी फसल में देना चाहिएइस

सिंचाई प्रबंधन - सिंचाई प्रबंधन तिल की फसल में कब होना चाहिए किस प्रकार होना चाहिए इस बारे में बताईये

वर्षा ऋतु की फसल होने के कारण सिंचाई की कम आवश्यकता पड़ती हैइस यदि पानी न बरसे तो आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिएइस फसल में 50 से 60 प्रतिशत फलत होने पर एक सिंचाई करना आवश्यक हैइस यदि पानी न बरसे तो सिंचाई करना आवश्यक होता है



भारत में तिल की खेती पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश एवम उत्तर प्रदेश में की जाती हैइस भारत के कुल उत्पादन 20 प्रतिशत उत्पादन अकेले गुजरात से होता हैइस उत्तर प्रदेश में तिल की खेती मुख्यतः बुंदेलखंड के राकर भूमि में तथा मिर्जापुर, सोनभद्र, कानपुर, इलाहाबाद, फतेहपुर, आगरा एवम मैनपुरी में शुद्ध एवम मिश्रित रूप से की जाती हैइस तिल की

उत्पादकता बहुत ही कम है सघन पद्धतियाँ अपनाकर उत्पादन बढ़ाया जा सकता हैइस

जलवायु तिल की खेती के लिए किस प्रकार की जलवायु और भूमि की आवश्यकता पड़ती है तिल के लिए शीतोष्ण जलवायु उपयुक्त होती है मुख्यतः बरसात या खरीफ में इसकी खेती की जाती है यह बहुत ही ज्यादा बरसात या सूखा पड़ने पर फसल अच्छी नहीं होती हैइस

इसके लिए हल्की भूमि तथा दोमट भूमि अच्छी होती हैइस यह फसल पी एच 5.5 से 8.2 तक की भूमि में उगाई जा सकती हैइस फिर भी यह फसल बलुई दोमट से काली मिट्टी में भी उगाई जाती हैइस

प्रजातियाँ तिल की जो उन्नतशील प्रजातियाँ है उनके बारे में जाने किसान भाईयो को बताईये उन उन्नतशील प्रजातियों के बारे में तिल की कई प्रजातियाँ पाई जाती है जैसे की टाईप 4, टाईप 12, टाईप 13, टाईप 78, शेखर, प्रगति, तरुण, कृष्णा, एवम बी.63 प्रजातियाँ हैइस भूमि की तैयारी फसल की तैयारी के लिए अपने खेतों की

तैयारी किस प्रकार करनी चाहिए खेत की तैयारी के लिए पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा दो-तीन जुताई कल्टीवेटर या देशी हल से करके खेत में पाटा लगाकर भुरभुरा बना लेना चाहिएइसके पश्चात ही बुवाई करनी चाहिएइस 80 से 100 कुंतल सड़ी गोबर की खाद को आखिरी जुताई में मिला देना चाहिएइस बीज और बुआई तिल की फसल में बीज की मात्रा प्रति हेक्टेयर कितनी लगती है और बीज का शोधन हमारे किसान भाई किस प्रकार करें एक हेक्टेयर क्षेत्र के लिए तीन से चार किलोग्राम बीज पर्याप्त होता हैइस बीज जनित रोगों से बचाव के लिए 2.5 ग्राम थीरम या

कैप्टान प्रति किलोग्राम बीज की दर से शोधन करना चाहिएइस तिल की बुवाई किस समय और किस विधि द्वारा करनी चाहिए तिल की बुवाई का उचित समय जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई का दूसरा पखवारा माना जाता हैइस तिल की बुवाई हल के पीछे लाइन से लाइन 30 से 45 सेंटीमीटर की दूरी पर बीज को कम गहराई पर करते हैइस पोषण प्रबंधन फसल में खाद एवम उर्वरको का प्रयोग कब करना चाहिए और कितनी मात्रा में करना चाहिए उर्वरको का प्रयोग भूमि परीक्षण के आधार पर करना चाहिएइस 80 से 100 कुंतल

### टाइफून चांपी से ताइवानमें एक की मौत, 94 घायल

ताइपे,एजेंसी। शक्तिशाली टाइफून चांपी ने ताइवान, जापान और चीन में जनजीवन प्रभावित किया है। तूफान के कारण ताइवान में एक व्यक्ति की मौत हुई, जबकि 94 लोग घायल हुए हैं। पहाड़ी इलाकों में रहने वाले करीब 1,300 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। तूफान के केंद्र के पास हवा की रफ्तार 19१ किलोमीटर प्रति घंटे तक दर्ज की गई, जिससे प्रशासन को बड़े पैमाने पर एहतियाती कदम उठाने पड़े। ताइवान में खराब मौसम के कारण सैकड़ों उड़ानें रद्द कर दी गईं। वित्तीय बाजार बंद रहे और सार्वजनिक परिवहन सेवाएं भी सीमित कर दी गईं। उत्तर-पूर्वी थिलान काउंटी में प्रशासन ने रेत से भरी बैरियां बांटने के साथ बचाव कार्यों के लिए विशेष वाहन और इन्फ्लेटेबल नावें तैयार रखीं। अधिकारियों ने जरूरत पड़ने पर सेना की मदद लेने की तैयारी भी की है। टाइफून का असर जापान के दक्षिण-पश्चिमी द्वीपों पर भी देखने को मिल रहा है। ओकिनावा क्षेत्र में करीब ३,६३0 घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण मरम्मत कार्य प्रभावित हुआ है। जापान में 1६0 से अधिक उड़ानें रद्द की गई हैं। अधिकारियों ने लोगों को ऊंची समुद्री लहरों, भूस्खलन, बाढ़ और नदियों का जलस्तर बढ़ने के खतरे को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है। उधर, चीन के मौसम विभाग ने तूफान के प्रभाव को देखते हुए नीला अलर्ट जारी किया है। पूर्वी तटीय क्षेत्र में ५0 से ८0 मिलीमीटर तक बारिश होने का अनुमान जताया गया है। झेजियांग प्रांत ने ऊंची समुद्री लहरों के खतरे के महैनजर नारंगी अलर्ट जारी किया है। टाइफून चांपी को लेकर तीनों देशों में प्रशासन अलर्ट पर है। राहत और बचाव एजेंसियां संभावित नुकसान को कम करने के लिए तैयार हैं। अधिकारियों ने लोगों से मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

### इजरायली पीएम नेतन्याहू के काफिले पर हमला, जनता में आक्रोश

यरुशलम,एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के काफिले पर हाल ही में यरुशलम में हमला हुआ। यह घटना रात घटी जब वे अपने 77वें जन्मदिन का जश्न मनाने जा रहे थे। भीड़ के अंदर से उनके काफिले पर एक कांच की बोतल फेंकी गई, हालांकि इस हमले में नेतन्याहू और उनका परिवार बाल-बाल बच गए। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हमला गुरुवार रात यरुशलम के महान येहुदा बाजार के पास हुआ। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत हमलावर की तलाश शुरू कर दी। काफिले के निर्बाध गुजरने के लिए लाइट रेल सेवा को अस्थायी रूप से रोक़ा गया था, और हजारों लोग सड़क किनारे उनके स्वागत में खड़े थे, तभी भीड़ के बीच से यह हमला किया गया। सामने आए वीडियो में हमलावर द्वारा बोतल फेंकने की कोशिश करते देखा जा सकता है। हमले के बावजूद, नेतन्याहू अपनी पत्नी सारा के साथ महान येहुदा पहुंचे, जहाँ लिक्वुड पार्टी के समर्थकों ने उनका स्वागत किया और जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब नेतन्याहू को सार्वजनिक विरोध का सामना करना पड़ रहा है। यरुशलम की इस घटना से ठीक पहले, उन्हें तेल अवीव के हा-तिकवा बाजार में भारी विरोध का सामना करना पड़ा था। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक व्यक्ति को नेतन्याहू से सीधे यह पूछते हुए देखा गया, आपने हमारा को लाखों डॉलर क्यों भेजे ? इस दौरान उस व्यक्ति का फोन छीन लिया गया और उसे धक्का देकर बाहर कर दिया गया। नेतन्याहू के खिलाफ जनता में बढ़ते आक्रोश का मुख्य कारण हमारा द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के परिवारों का असंतोष है। बंधकों के कई परिजनों ने आरोप लगाया है कि 7 अक्टूबर के नरसंहार के लिए वर्तमान सरकार और प्रधानमंत्री जिम्मेदार हैं। बंधकों के परिजनों, जिनमें मारे गए बंधक गाय डलूज के पिता और पूर्व बंधक मगन जंगीकर की मां शामिल हैं, ने विरोध प्रदर्शनों में भाग लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि लिक्वुड समर्थकों ने उनके साथ मारपीट की, उन पर थूका और सज्जियां फेंकी।

## सऊदी पर हूती हमला: भारतीय तीर्थयात्रियों को निकालने में जुटा विदेश मंत्रालय

**दम्पाम,एजेंसी।** पश्चिम एशिया में सुरक्षा संकट उस समय और गहरा गया जब यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर अपने हमले तेज करते हुए राजधानी रियाद में स्थित रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय को निशाना बनाया। हवा से आई मिसाइलों ने रक्षा मंत्रालय परिसर को दहला दिया, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। इससे पहले उसी दिन हूती विद्रोहियों ने सऊदी की प्रमुख तेल कंपनियों अरामको के ठिकानों और दम्पाम स्थित किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी ड्रोन और मिसाइल से भीषण हमले किए थे। दम्पाम में हुए इन हमलों में दो विदेशी नागरिकों की मौत की पुष्टि हुई है, जिनमें नेपाली और फिलिपिनो नागरिक शामिल हैं, जबकि एक भारतीय और एक पाकिस्तानी नागरिक घायल हुए हैं। सऊदी अरब में सुरक्षा स्थिति अचानक बिगड़ने के बाद वहां मौजूद भारतीय उमराह श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर भारत सरकार पूरी तरह मुस्दह हो गई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने वहां फंसे भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश वापस लाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। रियाद में स्थित भारतीय दूतावास और जेद्दा में स्थित वाणिज्य दूतावास लगातार विभिन्न



एयरलाइंस और दूर ऑपरेटरो के संपर्क में हैं ताकि प्रभावित श्रद्धालुओं की शीघ्र और सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जा सके। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार, पिछले एक सप्ताह के भीतर लगभग तीन हजार फंसे हुए उमराह श्रद्धालु उपनग्न उड़ानों के माध्यम से भारत लौट चुके हैं। इसके अलावा, सामान्य टिकट बुकिंग वाले दस हजार से अधिक अन्य भारतीय श्रद्धालु भी सुरक्षित स्वदेश वापस आ गए हैं। दरअसल, दम्पाम हवाई अड्डे पर हमले के बाद कई उड़ानों का परिचालन प्रभावित हुआ था, जिससे मक्का और मदीना में कई भारतीय श्रद्धालु अटक गए थे।

इस स्थिति को देखते हुए ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी सोशल मीडिया के जरिए सरकार से तुरंत हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया था। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए रियाद और जेद्दा में भारतीय मिशनों द्वारा चोबीसों घंटे काम करने वाले विशेष कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। भारतीय दूतावास और स्थानीय स्वयंसेवक मिलकर तीर्थयात्रियों को भोजन, आवास और चिकित्सा जैसी सहायता प्रदान कर रहे हैं। आपातकालीन संपर्क के लिए विदेश मंत्रालय ने हेल्पलाइन नंबर और व्हाट्सएप सेवाएं भी शुरू की हैं।

## उत्तर कोरिया ने किया जैम-2.0 टॉरपीडो का परीक्षण



**प्योंगयांग,एजेंसी।** हाल ही में उत्तर कोरिया ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाली नई ‘जैम-२.०’ टॉरपीडो प्रणाली का पानी के भीतर परीक्षण किया है। यहां की सरकारी मीडिया ने इस परीक्षण की जानकारी देते हुए इसे देश की नौसैनिक ताकत बढ़ाने की दिशा में एक बड़ी कामयाबी बताया। यह कदम क्षेत्र में सैन्य तनाव को और बढ़ा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर कोरिया ने गुरुवार को ‘जैम-२.०’ नाम की इस टॉरपीडो का परीक्षण किया, जिसका मुख्य मकसद हथियार में किए गए नए बदलावों की प्रभावशीलता और उसके प्रदर्शन से जुड़ी क्षमताओं की जांच करना था। इस नई टॉरपीडो में एआई तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिसकी मदद से यह लक्ष्य को पहचाने और उस पर सटीक निशाना लगाने में सक्षम हो सकती है। परीक्षण में यह भी जांचा गया कि टॉरपीडो को पानी के भीतर आगे बढ़ाने वाला सिस्टम कितना बेहतर काम करता है और इसकी रफ्तार बढ़ाने वाली त कनीक में कितना सुधार हुआ है। उत्तर कोरिया का दावा है कि पिछले पांच साल में इस टॉरपीडो प्रणाली से जुड़े 1८0 से ज्यादा टेस्ट किए गए हैं, जो इसके विकास पर लगातार किए जा रहे प्रयासों को दर्शाते हैं।

## चांद पर दस हज़ार से अधिक दरारें, नासा की रिपोर्ट में भूकंप का बड़ा खतरा

**वाशिंगटन, एजेंसी।** नासा की ताजा तस्वीरों ने चंद्रमा की सतह पर 1० हजार से अधिक इस तरह के फॉल्ट (दरारें) का खुलासा किया है, जहाँ कभी भी भूकंप आ सकता है। यह महत्वपूर्ण खोज लूनर रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर कैमरा (एलआरओसी) से प्राप्त छवियों के गहन विश्लेषण पर आधारित है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि ये दरारें नासा के आर्टेमिस मिशन के लिए सुरक्षित लैंडिंग साइट चुनने में नई चुनौतियाँ पैदा करती हैं, जिसका लक्ष्य फिर इंसानों को चांद पर उतारना है। अध्ययन के अनुसार, चंद्रमा का आंतरिक भाग धीरे-धीरे ठंडा हो रहा है, जिसके परिणामस्वरूप उसका आकार सिकुड़ रहा है।

बीते करीब 40 करोड़ वर्षों में चांद की त्रिज्या करीब ४५ मीटर कम हो गई है। यह सिकुड़न चंद्रमा की सतह पर दबाव डालती है, जिससे लोबेट स्काप् और मारे रिज जैसी लंबी और उभरी हुई भूगर्भीय संरचनाएं बनती हैं। एलआरओसी कैमरे ने ८,900 से अधिक लोबेट स्काप् और २,000 से अधिक छोटी मारे रिज की पहचान की है, जो सिकुड़न प्रक्रिया से जुड़ी हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि चांद की त्रिज्या हर 1० लाख साल में ६ से 1१ सेंटीमीटर तक कम हो सकती है, जो यह दर्शाता है कि यह भूगर्भीय गतिविधि अभी भी जारी है।

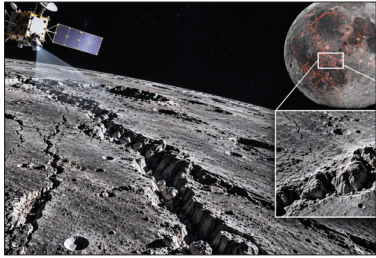
ये फॉल्ट ही चंद्रमा पर मूतक्रेक ( चंद्र भूकंप)

का मुख्य कारण हैं। साल २०१९ में वैज्ञानिक टॉम वॉटर्स और उनकी टीम ने फॉल्ट और भूकंपीय गतिविधि के बीच संबंध के ठोस सबूत दिए थे, जब अपोलो मिशनों के दौरान लगाए गए सीस्मोमीटर ने फॉल्ट के निकट भूकंप रिकॉर्ड किए थे। पृथ्वी की बाहरी सतह के विपरीत, जो करीब १५ बड़ी टेक्टोनिक प्लेटों में बंटी है, चांद की बाहरी सतह एक बड़ी, एकल प्लेट की तरह है। यह अंतर चंद्रमा पर भूकंप आने वाले स्थानों की भविष्यवाणी को अधिक जटिल बनाता है, क्योंकि हलचल पुराने फॉल्ट में हो सकती है या नए भी बन सकते हैं। यह खोज आर्टेमिस मिशन के लिए महत्वपूर्ण

### प्रशांत महासागर में हज़ारों एलियन वायरस मिले वैज्ञानिकों को

**वाशिंगटन , एजेंसी।** प्रशांत महासागर की अथाह गहराई से एक ऐसी असाधारण खोज सामने आई है, जिसने वैज्ञानिकों को अचंभित कर दिया है। चीन की चोंगकिंग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने प्रशांत महासागर के क्लेरियन-क्लिपटन जेन में लगभग १२ हजार तरह के एलियन वायरसों की पहचान की है। इन्हें एलियन इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि इनमें से 99 प्रतिशत से ज्यादा को वैज्ञानिक पहचानते तक नहीं हैं और न ही उनके बारे में कभी सुना है। यह विशाल समुद्री क्षेत्र मैक्सिको और हवाई के बीच स्थित है, जहां की गहराई लगभग ६000 मीटर तक पहुंचती है। सूरज की रोशनी से दूर इस अंधेरी दुनिया में जीवन किस तरह पनपता है, यह वैज्ञानिकों के लिए लंबे समय से एक दिलचस्प सवाल रहा है। इस क्षेत्र की तलहटी पर आलू के आकार जैसी लाखों धातुओं से भरी हुई चट्टानें बिखरी हुई हैं, जिन्हें पॉलीमेटैलिक नोड्यूल कहा जाता है।

निहितार्थ रखती है। वास्तव में, २०२४ की एक स्टडी में आर्टेमिस मिशन के लिए चुनी गई १३ संभावित लैंडिंग साइट्स में से कुछ के पास ऐसे इलाके पाए गए थे जहाँ भूकंप का खतरा हो सकता है। चंद्र भूकंप से सतह पर मिट्टी और चट्टानों का खिसकना संभव है, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों और उनके उपकरणों को संभावित नुकसान पहुंच सकता है। हालांकि, वैज्ञानिकों का कहना है कि यह खोज मिशन को असंभव नहीं बनाती है। उन्होंने पाया है कि जिन क्षेत्रों में चांद की बाहरी पपड़ी मोटी है, वहाँ फॉल्ट कम मिले हैं, और ऐसी जगहों को भविष्य के मिशनों के लिए बेहतर विकल्प माना जा सकता है।



चंद्रमा का सिकुड़ना और उसमें परिवर्तन लगातार जारी हैं, इसलिए सुरक्षित चंद्र लैंडिंग और भविष्य की खोज के लिए इन भूगर्भीय गतिविधियों का निरंतर अध्ययन और निगरानी अत्यंत आवश्यक है।

## मुनीर के तेहरान दौरे के तुरंत बाद पाक-ईरान सीमा पर हमला

**तेहरान, एजेंसी।** पाकिस्तान और ईरान की सीमा पर स्थित उस समय और अधिक तनावपूर्ण हो गई जब पाकिस्तान के सेना प्रमुख फ़ील्ड मार्शल आसिम मुनीर की तेहरान की आधिकारिक यात्रा समाप्त होने के तुरंत बाद ट्रेड गेट २50 के पास अज्ञात सशस्त्र हमलावरों ने धावा बोल दिया। रिमदान सीमावर्ती क्षेत्र में हुए इस दुस्साहसिक हमले में ताजे फलों और खाद्य सामग्रियों से लदे दर्जनों भारी मालवाहक ट्रकों को आग के हवाले कर दिया गया। हमले के बाद सीमा सुरक्षा बलों और बंदूकधारियों के बीच जोरदार गोलीबारी हुई, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई। इस घटना ने दोनों देशों के कूटनीतिक हलकों में हड़कंप मचा दिया है। हमले को सूचना मिलते ही आपातकालीन दस्तों और अतिरिक्त सुरक्षा बलों को मौके पर भेजा गया। पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियों ने हमलावरों को पकड़ने और सीमावर्ती क्षेत्र को सुरक्षित करने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है। जांच एजेंसियां इस बात की भी पड़ताल कर रही हैं कि कहीं इस हमले का तार बलूचिस्तान क्षेत्र में सक्रिय उग्रवादी गुटों से तो नहीं जुड़ा है। इस अग्निकांड से

स्थानीय निर्यातकों और व्यापारियों को करोड़ों रुपये का सीधा नुकसान पहुंचा है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान और ईरान के बीच गढ-रिमदान और ताफ्तान सीमा चौकियों पर वाणिज्यिक आवाजाही ट्रकों के प्रवेश पर रोक लगा रखी है, जिसके जवाब में सैकड़ों ट्रक सीमा पर पविनेस हालत में खड़े हैं। इन ट्रकों के चालकों को लाने के पानी और भोजन जैसी मूलभूत सुविधाओं के संकट से जूझना पड़ रहा है। सेना प्रमुख आसिम मुनीर के तेहरान दौरे के दौरान ईरानी नेतृत्व के साथ सीमा विवाद सुलझाने पर चर्चा हुई थी। ईरान-पाकिस्तान संसदीय मैत्री समूह के प्रमुख फ़दाहोसैन मलेकी ने अनुसार, आसिम मुनीर ने तेहरान से सीमा खोलने का आश्वासन दिया था, लेकिन इसके बावजूद जमीनी स्तर पर स्थिति नहीं बदली। मलेकी ने चेतावनी दी है कि यदि पाकिस्तान की तरफ से ईरानी ट्रकों की आवाजाही को तकनीकी बहाने बनाकर रोक़ा जाना जारी रहा, तो ईरान भी अपनी तरफ से सीमा को पूर्णतः सील कर देगा।

## होर्मुज के पास अमेरिकी एफ-३५ लड़ाकू विमान पर संकट, 7६00 कोड भेजा

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां अमेरिका के सबसे ताकतवर लड़ाकू विमान एफ-३5 को ईरान के होर्मुज स्ट्रेट के पास एक मुसीबत का सामना करना पड़ा। दुनिया के सबसे सक्षम पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट में शुमार इस विमान ने अपने ट्रांसपॉन्डर पर 7६00 कोड भेजा और फिर अपना रास्ता बदलकर संयुक्त अरब अमीरात की ओर रुख कर लिया। यह कोड आम तौर पर विमान के रेडियो संचार में समस्या आने का संकेत देता है। हालांकि, विमान के साथ असल में क्या हुआ और उसे अपना रास्ता क्यों बदलना पड़ा, इस बारे में अभी तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं है। मिली जानकारी के मुताबिक, होर्मुज के पास उड़ान भर रहे इस विमान ने ट्रांसपॉन्डर पर 7६00 कोड प्रसारित किया। इसके बाद विमान का रास्ता बदलने और युएई की ओर बढ़ने की जानकारी सामने आई। विमान संयुक्त अरब अमीरात स्थित अल धफरा एयरबेस की तरफ बढ़ गया। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि रेडियो संचार में आई समस्या की वजह क्या थी, विमान को अपना रास्ता क्यों बदलना पड़ा और क्या यह किसी तकनीकी खराबी से जुड़ा मामला था। इस घटनाक्रम को लेकर सबसे अहम बात यह है कि 7६00 कोड अपने आप में किसी हमले या विमान को निशाना बनाए जाने का सबूत नहीं है। यह कोड मुख्य रूप से विमान और एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) के बीच रेडियो संचार में समस्या का संकेत देता है। ट्रांसपॉन्डर एक ऐसा उपकरण है जिसके जरिए विमान अपनी पहचान और स्थिति से जुड़े कोड प्रसारित करता है, ताकि एयर ट्रैफिक कंट्रोल उससे संपर्क कर सके। 7६00 कोड विशेष रूप से रेडियो संचार में खराबी का संकेत देता है, जिसका अर्थ है कि विमान को एयर ट्रैफिक कंट्रोल से जुड़ने में परेशानी हो रही है। ऐसी स्थिति में पायलट और एयर ट्रैफिक कंट्रोल तय प्रक्रियाओं के अनुसार विमान की सुरक्षित उड़ान और आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करने की कोशिश करते हैं। अल धफरा एयरबेस संयुक्त अरब अमीरात में स्थित एक अहम सैन्य हवाई अड्डा है, जहां अमेरिकी सैन्य मौजूदगी भी रही है।

## होर्मुज में ७ तेल टैंकरों पर हमला, ट्रंप ने दिए सैन्य कार्रवाई के संकेत

### ईरान-अमेरिका में बढ़ा तनाव



**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर सैन्य संघर्ष की स्थिति गहराती दिख रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तल्लख तेवर दिखाते हुए ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई के संकेत दिए हैं। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका ने ईरान को बुरी तरह से सबक सिखाया है। इस बीच, ईरान का कहना है कि एक ही दिन में रणनीतिक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में सात तेल टैंकरों को नुकसान पहुंचाया गया है। ईरान के साथ अमेरिका और इजरायल के बीच तनाव की शुरुआत के बाद से एक दिन में यह नुकसान तौर पर सबसे बड़ी घटना है, जिसने क्षेत्र में युद्ध की आशंका को बढ़ा दिया है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, जो वैश्विक तेल व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है, में हुए इन सात जहाजों पर हमलों ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की चिंताएं बढ़ा दी हैं। एक ही रात में सात जहाजों को

निशाना बनाया गया, जिनमें से तीन बारूदी सुरंगों की चपेट में आए और चार पर सीधे ईरान के रिवाल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने हमला किया। ईरान का स्पष्ट मानना है कि ये हमलाग्रस्त जहाज अमेरिका से जुड़े हैं और इन्हें ट्रंप प्रशासन का सीधा समर्थन प्राप्त है।

आईआरजीसी ने हाल ही में घोषणा की थी कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी आक्रामकता से निपटने के लिए उनके

पास अब एक नई और आक्रामक रणनीति है। इस नई रणनीति के तहत, ईरान पर किसी भी तरह की समुद्री नाकेबंदी लागू करने को सीधे तौर पर युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा। अब स्थिति ऐसी नहीं है कि ईरान केवल अमेरिका या इजरायल की ओर से संभावित हवाई हमले का इंतजार करे। आईआरजीसी ने यह साफ कर दिया है कि वे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर भी जवाबी कार्रवाई करने

को तैयार हैं, क्योंकि उनका मानना है कि इन जहाजों की आवाजाही को अमेरिका का प्रोत्साहन, मदद और समर्थन प्राप्त है। ईरान ने चेतावनी जारी की है कि होर्मुज में अभी और भी ऐसे हमले हो सकते हैं। उसने कहा है कि आने वाले दिनों में जब अन्य जहाज इस संवेदनशील जलमार्ग से गुजरने की कोशिश करेंगे, तो ईरान अपनी इन धमकियों को सच कर दिखाने से नहीं चूकेगा। दूसरी ओर, अमेरिका और इजरायल भी क्षेत्र में सैन्य संघर्ष के फिर से शुरू होने की बात कर रहे हैं। ईरान भी इस संभावित टकराव के लिए पूरी तरह से तैयार दिख रहा है और उसका दावा है कि उसके पास किसी भी जवाबी कार्रवाई को अंजाम देने के लिए पर्याप्त क्षमता और साधन मौजूद हैं। यह घटनाक्रम मध्य पूर्व में एक बड़े और खतरनाक सैन्य टकराव की संभावना को और भी अधिक मजबूत करता है।

## बेंगलुरु मर्डर केस : उम्रकैद काट रही शुभा की दया याचिका कैबिनेट ने की खारिज

बेंगलुरु । कर्नाटक मंत्रिमंडल ने वर्ष 2003 के चर्चित बेंगलुरु हत्याकांड में उम्रकैद की सजा काट रही शुभा शंकरनारायण और उसके साथी डी. अरुण वर्मा की दया याचिकाओं को सर्वसम्मति से खारिज किया गया है। यह मामला 27 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर बी.वी. गिरीश की निर्मम हत्या से जुड़ा है, जो शुभा के मंगेतर थे। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में माना गया कि यह हत्या पूरी तरह से सुनियोजित, पूर्व-नियोजित और अत्यंत क्रूर थी। इसलिए मौजूदा कानूनी प्रावधानों के तहत दोषियों को किसी भी तरह की राहत या दया नहीं दी जा सकती। डीके मंत्रिमंडल द्वारा खारिज की गई इन याचिकाओं को अब अंतिम फैसले के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत के पास भेजा जाएगा। राज्य के गृह मंत्री प्रियांक खडगे ने बताया कि गृह विभाग ने पुलिस और जेल प्रशासन से विस्तृत रिपोर्ट लेने के बाद ही इस विषय को कैबिनेट के समक्ष रखा था। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 14 जुलाई 2025 को अपने ऐतिहासिक फैसले में मामले के चारों दोषियों की आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा था। हालांकि, अदालत ने उन्हें संविधान के अनुच्छेद 161 के तहत राज्यपाल के समक्ष दया याचिका दायर करने के लिए आठ हफ्ते की मोहलत दी थी। मामले की पुष्ठभूमि के अनुसार, 1 दिसंबर 2003 को इंटेल कंपनी के इंजीनियर गिरीश और लॉ छात्रा शुभा की सगाई हुई थी। परंतु शुभा अपने साथी कानून छात्र अरुण वर्मा से प्यार करती थी और शादी नहीं करना चाहती थी। 13 दिसंबर 2003 की रात शुभा ने गिरीश को डिनर के बहाने बाहर बुलाया, जहां साजिशा के तहत गिरीश की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी।

## प्रदूषण नियमों की अनदेखी के चलते बीएमडब्ल्यू के हुए 42 बार चालान

नई दिल्ली । दिल्ली की सड़कों पर लगातार बढ़ते प्रदूषण के बीच, जहां नियमों को और कड़ा किया जा रहा है, वहीं कुछ वाहन चालक कानून की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के रिकॉर्ड में ऐसी ही एक लज्जती बीएमडब्ल्यू कार सामने आई है, जिसके नाम पर नियमों के उल्लंघन के 42 चालान दर्ज हैं। चौकाने वाली बात यह है कि इसमें से 24 चालान तो सिर्फ पिछले एक साल के भीतर ही हुए हैं। यह कार दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े नियमों को तोड़ने में सबसे आगे है। 2019 मॉडल की यह बीएमडब्ल्यू कार साल 2019 से अभी तक बिना वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) के ड्राइविंग करने के लिए लगातार चालान कटवा रही है।

## नशामुक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश देने निकले 146 पुलिस राइडर्स

भोपाल । मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित लाल परेड ग्राउंड से गुरुवार को एक विशेष राष्ट्रवापी बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। फाइट अगेस्ट ड्रम्स (नशे से दूरी है जरूरी) थीम पर आधारित इस रैली में विभिन्न राज्यों के पुलिस बलों और केंद्रीय सुरक्षा बलों के 146 पुलिस राइडर्स शामिल हैं, जो देश में नशामुक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश फैला रहे हैं। इस रैली उद्देश्य केंद्रीय गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के तहत युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और देश में राष्ट्रीय एकता व सामाजिक समरसता का संदेश देना है। यह राइडर्स दल विभिन्न राज्यों से गुजरते हुए लगभग 2,500 किलोमीटर की लंबी दूरी तय करेगा। इसी के साथ ही यह बाइक रैली 26 अक्टूबर 2026 को गुजरात के एकता नगर (केवडिया) पहुंचेगी। यह दल 31 अक्टूबर 2026 को देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती यानी 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के अवसर पर आयोजित होने वाले मुख्य समारोह और परेड में हिस्सा लेगा।

# चीन के साथ बढ़ता व्यापार घाटा देश की आर्थिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा

कांग्रेस का केंद्र सरकार पर बड़ा हमला- मेक इन इंडिया अब इम्पोर्ट फॉम चाइना बना

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कांग्रेस पार्टी ने चीन के साथ भारत के लगातार बढ़ते व्यापार घाटे को लेकर शुक्रवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि सरकार की नीतियों के कारण 'मेक इन इंडिया' अब 'इम्पोर्ट फॉम चाइना' (चीन से आयात) बनकर रह गया है और रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचता व्यापार घाटा देश की आर्थिक सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बन चुका है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो साझा करते हुए दावा किया कि वित्त वर्ष 2025-26 में चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़कर रिकॉर्ड 112 अरब डॉलर हो गया है, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में यह 99 अरब डॉलर था। उन्होंने कहा कि चीन से हो रहे भारी-भरकम आयात के कारण देश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) पर बेहद प्रतिकूल असर पड़ रहा है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन के प्रति सोची-समझी रियायतों के चलते सीमा पर हालात चिंताजनक हैं। उन्होंने भारत-तिब्बत सीमा



पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक के उस बयान का भी जिक्र किया जिसमें अरुणाचल प्रदेश में पीएलए (चीनी सेना) के साथ हालिया फेंस-ऑफ और सुरक्षा बल के कामकाज की सराहना की गई थी, लेकिन इसके बावजूद सरकार की ओर से इस पर चुप्पी सांधी गई है।

जयराम रमेश के अनुसार, स्थानीय लोगों का दावा है कि लद्दाख की तर्ज पर अरुणाचल प्रदेश के कुछ गश्ती बिंदुओं (पेट्रोलिंग प्वाइंट्स) तक पहुंच प्रभावित हुई है। इसके साथ ही बांध और पारिस्थितिकी का खतरा बढ़ा है। चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न स्थानों के नाम बदलने के साथ-साथ सीमा के पास 60,000 मेगावाट क्षमता का बांध बनाया जा रहा है, जो भारत की जल और पारिस्थितिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है।

**गलवान और पूर्व सैन्य अधिकारियों के बयानों का जिक्र**

कांग्रेस नेता ने जून 2020 की गलवान घाटी की झड़प का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री मोदी के उस पुराने बयान पर भी सवाल उठाए, जिसमें देश की सीमा में किसी के घुसने से इनकार किया गया था। इसके अलावा, उन्होंने पूर्व सेना प्रमुखों और शीर्ष सैन्य अधिकारियों के पुराने बयानों और संस्मरणों का हवाला देते हुए केंद्र सरकार की चीन नीति पर पूर्ण पारदर्शिता न बरतने का गंभीर आरोप लगाया है।

## एलएसी पर भारत-चीन जवानों में टकराव नई बात नहीं: आईटीबीपी

अलवर, एजेंसी । अरुणाचल प्रदेश से सटी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच तल्खी एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने चौकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि पिछले कुछ दिनों में सीमा के कई अलग-अलग प्वाइंट्स पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच सीधा टकराव (फेंस-ऑफ) हुआ है। और ये कोई नया नहीं है होता रहता है। कपूर के अनुसार, यह तनावपूर्ण स्थिति केवल एक जगह तक सीमित नहीं है, बल्कि कई रणनीतिक ठिकानों पर अब भी जारी है। उन्होंने 22 अक्टूबर को कहा कि अरुणाचल सीमा पर चल रहे टकरावों में आईटीबीपी के कमांडो सक्रिय रहे हैं। कपूर ने बताया कि हाल ही में गठित 'शीर्ष कमांडो' ने इसमें बेहतरीन भूमिका निभाई है। उन्होंने आईटीबीपी को एक माउंटन गुरिल्ला फोर्स के रूप में परिभाषित करते हुए कहा कि बल 2004 से चीन के साथ लगती सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभा रहा है। कपूर ने जोर दिया, हमें अपने मूल काम को छोड़ने की जरूरत नहीं है। हम सेना से अलग, ऊंचाई वाले पहाड़ी इलाकों में लड़ने के लिए एक विशेष बल तैयार कर रहे हैं। जल्द ही हमारे पास शीर्ष कमांडो की एक पूरी बटालियन होगी, ऊंचाई वाले इलाकों में तैनात होना हमारी ताकत है। यह बयान उन्होंने राजस्थान के अलवर स्थित सेंट्रल ट्रेनिंग कॉलेज में आयोजित हिमवीर सम्मान समारोह के दौरान दिया। यह बयान अरुणाचल प्रदेश में जुलाई से हुई कई झड़पों और स्थानीय लोगों के दावों के बीच आया है कि कई जगहों पर आमना-सामना हुआ है। बताया जा रहा है कि सितंबर में एक अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के लिए चीनी राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान भी ये टकराव जारी रहे। कपूर की टिप्पणी के बाद एक सांसद ने सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह इन टकरावों पर चुप्पी सांधे हुए है।



# अखिलेश ने कहा- कांग्रेस से मिली सीटों पर अंतिम फैसला आजम खां करेंगे

**लखनऊ, एजेंसी।** समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने हाल ही में रामपुर जेल में पार्टी के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खां से मुलाकात की। इस मुलाकात का मुख्य एजेंडा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस से प्राप्त सीटों की सूची पर गहन मंथन करना था। अखिलेश यादव ने स्पष्ट किया कि प्रत्याशियों के चयन और सीटों के बंटवारे का अंतिम फैसला आजम खां की राय पर ही आधारित होगा। एक घंटे से अधिक चली इस महत्वपूर्ण चर्चा ने एक बार फिर मोहम्मद आजम खां के पार्टी के रणनीतिक और नीतिगत फैसलों पर उनके अटूट प्रभाव को उजागर किया है, भले ही वे लंबे समय से सलाखों के पीछे हों। जेल से बाहर निकलने पर अखिलेश का यह बयान कि आजम थे, आजम हैं और आजम ही रहेंगे, पश्चिमी उत्तर प्रदेश की आगामी राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश माना जा रहा है। सियासी गलियारों में इसे सपा मुखिया द्वारा वेस्ट यूपी और



रहेलखंड के सियासी समीकरणों को साधने का एक मास्टरस्ट्रोक भी कहा जा रहा है। अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत में खुलकर स्वीकार किया कि इंडिया गठबंधन के तहत मिली सीटों की लंबी सूची पर आजम खां के साथ गंभीर रायशुमारी हुई है। उन्होंने कहा कि आजम खां द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण

सुझावों को पूरी तरह से माना जाएगा, उन पर काम किया जाएगा और उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई जाएगी। यह पहली बार नहीं है जब अखिलेश यादव ने टिकट बंटवारे पर आजम खां से जेल में सलाह ली हो। 2022 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले भी

अखिलेश ने सीतापुर जेल में आजम से मुलाकात कर टिकटों पर अंतिम मुहर लगाई थी। उन सीतापुर मॉडल का परिणाम यह रहा था कि 2022 के चुनाव परिणामों में मुरादाबाद मंडल की 27 विधानसभा सीटों में से 17 पर सपा ने परचम फहराया था। मुरादाबाद मंडल और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के राजनीतिक आंकड़ों पर नजर डालें तो आज भी वहां सपा की मजबूती के पीछे आजम खां के जनाधार का सीधा प्रभाव दिखाई देता है। पत्रकारों द्वारा रामपुर सीट से सपा के उम्मीदवार के बारे में पूछे जाने पर, अखिलेश ने अपनी चिर-परिचित मुस्कान के साथ चुटकी लेते हुए कहा, तुम्हें क्यों बताऊं? उनके इस छोटे से जवाब ने सियासी सस्पेंस को और गहरा दिया है। आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर, आजम खां की यह रणनीतिक सलाह सपा के लिए कितनी फायदेमंद साबित होगी, यह देखना दिलचस्प होगा।

# रिजिजू ने की पुष्टि, सऊदी से सुरक्षित लौट रहे उमरा जायरीन

-भारतीय मिशन के मुताबिक यमन तट के पास 14 भारतीय भी हैं सुरक्षित

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सऊदी अरब और यमन के आसपास बढ़ते तनाव के बीच वहां फंसे भारतीय उमरा जायरीनों की सुरक्षित वतन वापसी का सिलसिला शुरू हो गया है। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने जानकारी दी है कि संकट में फंसे भारतीय उमरा जायरीन सुरक्षित भारत लौट आए हैं। सरकार की मुस्तेदी से इससे पहले भी 10,000 से अधिक जायरीन स्वदेश लौट चुके हैं, जबकि शेष बचे लोगों की मदद के लिए लगातार प्रयास जारी हैं। गौरतलब है कि इससे पहले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इतेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन औवैसी ने सोशल मीडिया पर चिंता जताते हुए बताया था कि 4,000 से अधिक उमरा जायरीन

सऊदी अरब में फंसे हुए हैं। इस मामले पर संज्ञान लेते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने स्पष्ट किया है कि सरकार भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध व सक्रिय है। सहायता के लिए 24 घंटे सक्रिय हैं कंट्रोल रूम भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए रियाद और जेद्दा में भारतीय मिशन चौबीस घंटे मुस्तेद हैं। किसी भी आपात स्थिति या सहायता के लिए निम्नलिखित हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है। भारतीय दूतावास, रियाद का फोन नंबर +966-554412016, +966-542126784 है, जबकि टोल-फ्री (सऊदी अरब के भीतर से)-8002471234 नंबर है। इसके अलावा

व्हाट्सएप (केवल मैसेज) के लिए नंबर +966-536216082 जारी किया गया है। भारतीय वाणिज्य दूतावास, जेद्दा के फोन नंबर +966-12-2614093, +966-556122301 जबकि व्हाट्सएप (केवल मैसेज) के लिए +966-536209704 नंबर जारी किया गया है। यमन तट के पास फंसे नागरिक भी सुरक्षित इस बीच, यमन के तट के पास एक नौका से जुड़े घटनाक्रम में फंसे 14 भारतीय नागरिकों को लेकर भी राहत भरी खबर सामने आई है। भारतीय मिशन ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि रिपोर्टों के अनुसार सभी 14 भारतीय सुरक्षित हैं और वर्तमान में यमन के होदेइदा क्षेत्र के आसपास मौजूद हैं। मिशन उनकी सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए लगातार संपर्क



में हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले अरब मीडिया में हूती प्रवक्ता याह्या सरी के हवाले से दावा किया गया था कि युकर द्वीप के पास सऊदी बलों ने भारतीयों वाली नौका को निशाना बनाया है, और हूती बल उन्हें बचा रहे

हैं। हालांकि, भारतीय मिशन ने अभी तक हमले के स्रोतों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन यह साफ कर दिया है कि सभी सऊदी बलों ने भारतीयों वाली नौका को पैनी नजर रखी जा रही है।

# BMCM में 'AI-ऑगमेंटेड कस्टमर प्रोफाइलिंग' पर कार्यशाला आयोजित

सुरत, । भगवान महावीर कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट (BMCM) के एमबीए विभाग के मार्केटिंग क्लब की ओर से शुक्रवार को 'AI-ऑगमेंटेड कस्टमर प्रोफाइलिंग' विषय पर कार्यशाला आयोजित की



गई। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को उपभोक्ता व्यवहार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) टूल्स और डेटा-आधारित मार्केटिंग की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम में BMU के रजिस्ट्रार डॉ. विजय मटावला और विश्लेषण करना शामिल था। इन एकेडमिक्स डीन डॉ. संजयगतिविधियों के जरिए विद्यार्थियों बुच उपस्थित रहे। जगनको आधुनिक मार्केटिंग में AI और इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंटेटेडा विश्लेषण की भूमिका समझने स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालयका अवसर मिला।

को प्रो. डॉ. अमीरा गुप्ता औरसमापन सत्र में ऋकू के ट्रस्टी डॉ. प्रो. डॉ. भवनीत कौर ने विशेषज्ञसंज्ञन के विजेता टीम को वक्ताओं के रूप में विद्यार्थियोंसम्मानित किया और प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। को प्रमाण पत्र प्रदान किए। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियोंकार्यशाला का आयोजन BMCM ने विभिन्न व्यावहारिककी निदेशक डॉ. श्वेता आर. के गतिविधियों में भाग लिया नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम के इनमें उपभोक्ताओं की जरूरतोंसफल संचालन में विभागाध्यक्ष डॉ. और बाजार के रुझानों कोडिंपल परमार और डिप्टी HOI समझने के लिए कस्टमर पर्सोनाडॉ. उपासना मेहता का सहयोग तैयार करना, उत्पाद विकास,रहा। कार्यशाला से विद्यार्थियों के SWVH तकनीक का उपयोगमार्केटिंग, विश्लेषण और निर्णय तथा गूगल ट्रेंड्स के माध्यमलेने संबंधी व्यावहारिक कौशल को से बाजार संबंधी जानकारी काविकसित करने में मदद मिली।

**पुंछ में सेना ने 7 संदिग्ध आईईडी बरामद किए, बारामूला में 2 संदिग्ध गिरफ्तार**

**पुंछ, एजेंसी।** जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सेना ने तलाशी अभियान के दौरान सात संदिग्ध इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) और 7.62 मिमी लाइट मशीन गन (एलएमजी) की मैगजीन बरामद की है। खुफिया जानकारी के आधार पर 156 टेरिटरियल आर्मी और 37 राष्ट्रीय राइफल से संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। सूत्रों के मुताबिक, तलाशी के दौरान भूरे टैप से लिपटे छह कटेनर, नीले टैप से लिपटा एक कटेनर और एक संदिग्ध मैगजीन कटेनर मिला। इसके अलावा काला बैग, कंबोबेट पाउच, पावर अडैप्टर, बिजली का स्रोत, एल्युमिनियम कटेनर और टिफिन भी बरामद किए हैं। सुरक्षा एजेंसियां बरामद सामग्री की जांच कर रही हैं। इसके पहले 22 अक्टूबर को बारामूला जिले में सुरक्षाबलों ने दो संदिग्ध आतंकी मददगारों को गिरफ्तार किया था। उनके पास से तुरकिये में बनी कनिका पिस्टल, 10 कारतूस वाली मैगजीन और दो आईईडी बरामद हुए थे।

## बीजेपी का आरोप, राहुल गांधी कांग्रेस का 'फेल प्रोडक्ट'

राहुल और प्रियंका को फैसलों की जानकारी नहीं

**नई दिल्ली, एजेंसी ।** भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने



लेगाया है। भाजपा प्रवक्ता ने राहुल गांधी की शिक्षा, खेल और कारोबारी पुष्ठभूमि पर सवाल उठा दिए हैं। उन्होंने राहुल गांधी को कांग्रेस का 'फेल प्रोडक्ट' बताकर आरोप लगाया कि पार्टी बार-बार उन्हें आगे करके अपना राजनीतिक भविष्य दांव पर लगा रही है। हालांकि, ये टिप्पणियां भाजपा नेता के राजनीतिक आरोप हैं। बीजेपी नेता त्रिवेदी ने कहा कि सत्ता से बाहर रहने के कारण कांग्रेस की स्थिति 'जल बिन मछली' जैसी हो चुकी है। राहुल गांधी की विदेश यात्रा पर निशाना साधकर उन्होंने व्यंग्य किया कि नेता प्रतिपक्ष वियतनाम में हैं और देश की राजनीति से दूर हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कामकाज की तुलना राहुल गांधी के राजनीतिक रिकॉर्ड से कर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की

उपलब्धियां उल्लेखनीय हैं, जबकि राहुल गांधी का रिकॉर्ड समस्याओं से भरा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने कांग्रेस के साथ संवैधानिक संस्थाओं की साख को भी दांव पर प्रेसवार्ता में राहुल गांधी के नेतृत्व, विदेश यात्राओं और कांग्रेस के चुनावी प्रदर्शन पर सवाल उठा दिए हैं। उन्होंने राहुल गांधी को सेंट स्टीफंस कॉलेज में राष्ट्रीय स्तर के तीरंदाज और निशानेबाज के रूप में प्रवेश मिलने की बात कही जाती रही, लेकिन उन्होंने इन क्षेत्रों में कोई बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं आरोप है। बीजेपी नेता त्रिवेदी ने ब्रिटेन में राहुल गांधी के कामकाज और उनसे जुड़ी कंपनियों का जिक्र कर दावा किया कि जिन कंपनियों से वह जुड़े रहे, वे बाद में बंद हो गईं। इन टिप्पणियों के जरिए उन्होंने राहुल गांधी की व्यक्तिगत और पेशेवर उपलब्धियां पर सवाल उठा दिए। राज्यसभा सांसद त्रिवेदी ने कांग्रेस के चुनावी प्रदर्शन को लेकर भी राहुल गांधी को निशाने पर लिया।